

DPN 6443

Title : दशकर्मविधि / DAŚAKARMA VIDHI

Run. No. 7168

Cat. No.

Micro. No.

Subject *karmakāṇḍa*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 21 x 9

Folios 59

Lines (in a page) 24 / 26

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

रामानन्द उपाध्याय

Date: NS / SS / VS / KS 985, 913

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Together with Nāgavāstu yantṛa

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Direction is in Nepāla bhāṣā

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

7. दशक्रियाविधानं लिख्यते ॥ गम्भीरानं पुत्रवर्णं शीघ्रान्तोन्वयनं तथा ।
इति दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥
इति दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥

2. खे देगुलि पूजा विधि ॥ 3 ब्रह्माध्यानं ॥ इति ब्रह्माध्यानम् ॥



॥ ॐ बुद्धा भ्रायुष्मा नृगद्वा प्रहो
 नायुष्मा नृनत्तायुष्मा युष्मा नृकना
 मि ॥ ॐ दव भ्रायुष्मा नृक ३ मृगनायु
 ष्मा नृनत्तायुष्मा युष्मा नृकना मि
 ॥ ॐ अथ य भ्रायुष्मा नृक ३ वृगनायु
 ष्मा नृनत्तायुष्मा युष्मा नृकना मि ॥
 ॐ यितन भ्रायुष्मा नृनत्तायुष्मा
 नायुष्मा नृनत्तायुष्मा युष्मा नृक
 ना मि ॥ ॐ य ३ भ्रायुष्मा नृद
 रिधमलि नायुष्मा नृनत्तायुष्मा
 युष्मा नृकना मि ॥ ॐ समृद्ध भ्रायु
 ष्मा ० स ॥ वंगी लि नायुष्मा ० नृन
 त्तायुष्मा युष्मा नृकना मि ॥ ॥ ॐ तिर्म
 ॐ ३ ॥ ॥ पुनः क्रसमथियमं
 ॥ ॥ गायुष्यमद ॥ ॥ ॐ सय
 दिकायत सर्वमायुत्रियान् ॥ ति
 वात्सप्रहो नमलि सुष्ट ॥ ॥ दि
 वस्य नी ॥ गस्या नृवाकस्यातमाष्ट
 चंयत्रिणि नष्टि उरुमा मृचंयत्रि
 ॥ ॥ वयदव ॥ ॥ तद्वा सुमृचंयत्रि ॥
 वाययाह नृनृमानया क्रसथि
 य. मनु ॥ ॥ दद ॥ ॥ अचा ॥ ॥ ॐ दिव
 म्यत्रिप्रथमम ॥ ३ ॥ भ

लयन ॥ ॐ हि नमः ॥ यमलिय
 ॥ ॐ सददस्यति ॥ धायससि ॥ धम
 मसि ॥ दायन ॥ ॐ वीरयप्रम ॥ वी
 दियुदयन ॥ ॐ स्ववृत्त ॥ कावृत्त
 दण ॥ ॐ ॐ धनास्त्रा ॥ सिवतन ॥
 ॐ मयग ॥ ॐ महिगृहमि ॥ मनी
 स्वायन ॥ ॐ ममालिन ॥ ॐ धनावा
 क्क ॥ मनिदूतन ॥ ॐ दृष्टादियु
 क्षमनिदृष्टिद्युक्ताविष्मडाय
 धीवाविष्मन्त्रेभनमसहसाय
 क्षानिःसनादिवासनिद्यत्यागुनः
 कं ॥ ॐ दमासनादिमदवातन
 ॥ ॐ मनिमीड ॥ ४ ॥ ॐ दालिनाक
 यालयुहा ॥ धायमिमिविथिदाय ॥
 ॥ ॐ स्त्राहा ॥ ॐ कृष्णकृष्णयाग ॥
 ॐ उवाहदवति ॥ मनिमसूचीक
 वन ॥ वमधनायमस्त्राननम ॥
 ॐ वमधनाय ॥ ॐ वमधनामूर्क
 य ॥ ॐ वमधनामूर्कथवर्तिगृ
 दृष्टं स्त्राहा ॥ आवाहनादि ॥ मग
 र्गधादि ॥ वलिनवद्य ॥ ॐ कामदयम
 र्क ॥ ॐ कामदवाय ॥ ॐ कामद
 वासनाय ॥ आवाहनादि ॥ ॐ यु
 गल्लसिन्धुसनाय ॥ ॐ युगल्लाय
 ॥ ॥ मगर्गधादि ॥ वलिनवद्य ॥

॥ ॥ गमलीकयालादिद्युतनाकृति
 शक्याग ॥ गेलन ॥ धाकप्रकान
 यन ॥ धमनावालावहाममकु
 ॥ ॐ ॐ मर्काउयवीरलीलु
 कथउदृखलामलिलयाडाध
 मश्रवतानश्रगादिगश्चाहा ॥ य
 नश्चयन ॥ ॐ दं मर्कमर्क ॥ ॐ द्या
 दि ॥ यनवाकृतिमकु ॥ ॐ मालिख
 ननिमिखकिवदतडयपुमिदृष्ट
 दश्कृष्णगुयागयादिनृमलिह
 कीमस्त्रमर्कयागवाश्रवतानश्र
 गादिगश्चाहा ॥ * ॥ यनद्युमन ॥
 ॐ ॐ दं मालिखयादि ॥ यनधर्ग
 मिसमिधदाय ॥ ॐ स्त्राहा ॥ ॐ कृ
 म्नायाय ॥ वलि ॥ ॐ विष्मन्त्रकृ
 वता ॥ युष्म ॥ ॐ द्योश्मन्त्रि ॥ ॐ मव
 क्तन ॥ ॥ म्ना ॥ ॐ मृगिकानियुग
 ल्कायन्मनिकर्मानिदृगवावस
 धनादिसन्धायनमासुर्मगलाध
 कं ॥ मगर्गधादि ॥ ॥ धमनसाय
 यागधामयायमाला ॥ यनकृष्ण
 कृष्ण ॥ वाक्कावनेस्त्रमिकवा
 यनय ॥ ॥ ॥ वलिधर्मादमकि
 र्ग ॥ मन्सा ॥ धवलमवाययास
 धमनयाववकुनथायावतय

॥ जयति ये ॥ उं कर्क २४ सुकर्क २४
वालवधुमाञ्जवकु नकु सुजनम
सुअसुमीसेलालय नायकनन
सुअयक मनमातागासीसन ४
यिताममलवलोयानोवधुकु
नकु सुजनम सुअसुमीललाल
यताकवरा शिमूलनितनामय
नितनवदगितनदयानिडि दृति
नगलति यगवयवदामायगय
शिमूलममिति ॥ धनर्थनियान
माननामयति नवदगितनदय
निकमान ॥ वालकयानमाध
कर्मयाय ॥ मन्त्रकमाधकर्म
समान ॥ ॥ वायभाउक्यमाल
कमानथियाया ॥ ॥ वाययि
हावयावरमासादीनखान
गन ॥ सनाय ॥ गायसादिदहि
वा ॥ ततावदावर्त ॥ ॥ वाक्कने
यागदहिवाविय ॥ लिथियि
तदहिवातयगनगय ॥ यिथि
तिनियानदहिवागय ॥ वाचन
काय ॥ ॥ धनपुथि ॥ ॥ यिथि
वि ॥ गाय ॥ गाय ॥ गायमाल
गायसादियाननयक ॥ वाय
नजल थाउयकलियुजमरि

थका ॥ उं दवस्यता ॥ वालकयाग
मानयागमिलिलमगन ॥ थका
दियुगितनमकलसविद्य ॥ च
ननमिदनालीष्टिदा ॥ वालकय
ग ॥ उं यगवा ॥ मानयागथका
दिनीयागथकादियागमालका
सविद्य ॥ अथसिधुममानक्या
गयनादिगनमथिमलवद्राय
॥ मयविमकुयगव ॥ मयवाक
वादिमकुयिचियाल वयक
लविय ॥ ॥ गायसादि विमकु
न ॥ उं दवागमुविद ॥ सुयनादि
॥ ठाकवियमाल ॥ निजवकुय
क ॥ इखायिखाकाय ॥ ॥
॥ गिनादीमूयादियवदकड
गकमादिविधि ॥ ॥ वाक्क
गानासायगदामयायमा
लमियकाउमानमाल ॥ ॥

१ मथयदु कुरुदितम ददतडा

१६ नलकानायायुजा ॥ विधि ॥ ६ ॥ १० काननसि
विकलपूजा ॥
नविश ॥ १०

वाचनयुय ॥
निगुविदियदकि

लंगलकले ॥ वदलकहावद्वानस
घादावरीकविया ॥ उयाधव
महागङ्गायायुय ॥ ०० नकादि
थिनिआयजाविधानध्यायाय ॥
वाक ॥ १० यवरीयागमर्जननिमि
यर्थ ॥ वायनध्यायसयक ॥ १०
कादिस्यथिउगिविय ॥ वाक ॥
स्यमिथियकविय ॥ चवथिडा
यधीधकद्रविम्यनयक ॥ १०
सुनिकानिधनकद्रधयायिन
कागासतिकद्रनिम्यममाल ॥
मध्यानिवदला ॥ १० ॥

शनककद्रद्रयायभाउद्रयक
॥ ०० यिववमुनतियक ॥ ददन
महागङ्गायायुय ॥ १० कदि
स्यथिवदकयाय ॥ ॥ १० वध
यनयाहगयावसधनायदग
माउगुलिम मालकागहावद
दनयुजायायुय ॥ मासयाय
वममगुनादेय ॥ ददनवलम
ग १० दानमहावक ॥ दाकवि
य ॥ दवमहागाधधनक ॥ १०

मध्यादलदिवमलकायाय ॥

वि४

वालकमानयायक ॥ १० कदिस्यथा
यकयाय ॥ ॥ १० वधयनयादाव
नयवसधनायदगमाउगुलिम
गहावददनयुजायायुय ॥ विधि
॥ ॥ १० कद्रवसधनायधय
नमयागसाधन गलमजलसा
आयसायाव जावमगया १०
माससि ०० ॥ १० गचुर्गुजय
मथाय ॥ गायनहाल ॥ काय
खलधंगय ॥ ॥ १० वसधनाय
त ॥ ॥ १० यादवन मलानवल
गय ॥ वसधनायसलखगय ॥
दद्रममाल ॥ वलंगगदल १०
नधलिदसद्यादाववसधना
यसदिवकीत ॥ ॥ १० यादवन
यवाकृ १० गगय ॥ दालमवी
हिता १० थकाव वसधनायदा
यकावत ॥ युवदिन ॥ सानवा
१॥ गका २॥ मवाग ३॥ मास ४॥ क
लीग ५॥ कयगुलि ६॥ मृग ७॥ उ
गि ८॥ यल्लामरे ॥ १० ॥ वका
१॥ युका १२॥ मधवाकृदवसदा
थेतिव ॥ गका १२॥ दयकमा
ला ॥ चदन सिद्धनयकायवीगय
यादिनगयावददनयुजाया

कनकमणिः ॥ १५ ॥ सुमावद
विद्या ॥ १५ ॥

[illegible]

कमात्रस्य कनधादिदमन्त्रन ॥
 पुनर्धादि ॥
 दधन निधिलक कृया वास्यतया
 लीलाया भावाया च विवर्गमन
 नकाव आलदासासधदावव
 मधवायुदायकावलखायि
 वनेवाकगाथे ॥ तगवार्धम
 हक ॥ बालकलथगन ॥ लगन
 ॥ ललितन रियकाव आयदासा
 मयूवाककठगयाव धयादय
 नवालकगयाव धकादिनीनव
 मधवायुदायकाव ॥ धय
 लम धनियु ॥ सुविधाय ॥ ग
 जानधाय ॥ खग ॥ मलसनक ॥ डं
 स्वमिनामिताय ॥ अद्यादितन ॥
 धनधनकाडा ॥ मामन याककठ
 जान ॥ मयम ॥ मलधालयालयक
 वडात ॥ द्रुमसिधुमर्म डालमाला
 जाकाव बालकवयाव विदावयव
 लकयायुगिनमियकावयातकाव
 विमर्जनयाय ॥ धमियकाउर्याम
 वायकल कृया ॥ कायल्य ॥ धम
 यालासा ॥ किं वगयाव ययवका
 यलनगाकययाव ॥ धयनायव
 लकयिगयन ॥ माठकिनिवाल

कया मानसदिचकगय ॥ धि
 बालययादानम उवखवम
 कलम ॥ ग० २ ॥ दाल्याखय २ नि
 यागशतय ॥ धकादिनीनवाल
 कलमाय ॥ लखमठलादिनिर्म
 कर्म ॥ डं नडा ॥ डं ॥ मग्निवाक
 नका ॥ डं ॥ मग्निनिमि ॥ मगुवन
 लाय ॥ डं ॥ मग्नि ॥ चन्दनमिद्व
 ययमखानविय ॥ यतमायक
 मतय ॥ मरुमानियुनिय ॥ डं
 मनाहूनि ॥ मामनकायाउमयाउ
 धदावगयाखय ॥ ग० २ ॥ नवक
 ॥ डं ॥ मवदादगुसक ॥ ४ ॥ याचीमा
 नाकगयगिन्नावगुनर्थनवमा
 मरुवक्तामाननमृदुवुक्कडविर्ग
 ॥ धय ॥ मययाठकयकभवून ॥
 ॥ ॥ धय ॥ धयिदिनमर्दुव
 याधैल्लसाय ॥ यूर्वनिर्म ॥ ह
 वया ॥ गयगाउरुयक ॥ वयडा
 काविमयम ॥ डं ॥ ददिगमावा
 दगिन्नावावगुवृत्तमानयचद
 लीकायाचीममृदुवुक्कडविर्ग ॥
 २ ॥ ययिमा ॥ डं ॥ युतीचीमानाडऊग
 तीन्वाउवेवेनूययमामसयद

लसामचयामुदुविवर्ग ॥ ३॥ उ
 कन ॥ उं उदीचीमावाकानदुवाव
 उव्वनोउ ॥ ४ ॥ मासेकविनसाम ॥ ५ ॥ ननदस
 नदल ॥ ६ ॥ लंडविर्ग ॥ ७ ॥ गनदस
 नयनदवजननयाललामानक
 ॥ उं उदीचीमावाकययकि स्वावयु
 माकनववगसादिगिगवगुयगि
 ॥ ८ ॥ लोसामोहमननिलिनावृगुव
 आडविर्गययसंतमव ॥ ९ ॥ निन ॥ १० ॥
 ॥ अथनामालावदयावदगयन
 ॥ ११ ॥ वयाउवमगयावाकदायक
 वन ॥ १२ ॥ उं अमिनामिमीना ॥ लहस
 ॥ वालकयालहालावमयिकन ॥
 उं गद्वेद्वेद्विर्गयनसा ॥ १३ ॥ कुकम
 वनगया ॥ १४ ॥ मलनद ॥ १५ ॥ नजीवम
 लनद ॥ १६ ॥ ग ॥ १७ ॥ यामलनद ॥ १८ ॥
 तमदीनाम्यामलनद ॥ १९ ॥ धननिग
 लवहाववालकथकादिनयन
 मयक ॥ २० ॥ नतायवमु ॥ अनामि
 कादिर्गमुव्वन ॥ २१ ॥ ॥ अथवमन्ध
 नायवाकालवृजायाय ॥ २२ ॥ थका
 दिन ॥ २३ ॥ उं यउमानासूकस्यनिक
 मगयागानिमियर्थवाक ॥ २४ ॥ द
 साद्यवन्दनय ॥ २५ ॥ यवीतयय
 धूयदीवमनमकल्यददि ॥ २६ ॥

धनमलमायाकलनमिर्ग ॥ २७ ॥
 उं दवस्यला ॥ २८ ॥ चन्दनमिर्ग ॥ २९ ॥ निवि
 द ॥ ३० ॥ वालकया ॥ ३१ ॥ उं यगवा ॥ ३२ ॥
 मालकामिर्ग ॥ ३३ ॥ मय ॥ ३४ ॥ निवि
 य ॥ ३५ ॥ ममन वालकयादिन ॥ ३६ ॥
 मिर्गकादियुगिनलवकाया
 ववयक ॥ ३७ ॥ ॥ अथथकादियुग
 गिनमाम वालकयाददमका
 वन ॥ ३८ ॥ वलकिहलमादावमलाने
 वद्यवर्गगदलमालायादिर्ग
 कुसामवायक ॥ ३९ ॥ वमन्धनाययक
 ताअनगय ॥ ४० ॥ वमन्धनायमवाक
 लवमवालकयकृताकमिचक
 माल ॥ ४१ ॥ मगयानकदमयात ॥ ४२ ॥
 यानखाययानधमयितय ॥ ४३ ॥ लव
 वासगयालग कायलयाकत
 यागमहामवालमयाकगयागम
 मयिताथकाय ॥ ४४ ॥ धनिदनयवा
 हानलका ॥ ४५ ॥ निनिकमगयाग
 विदि ॥ ४६ ॥ ॥

अथनामकवर्ग ॥ ४७ ॥ दानदिवस ॥
 पुनया ॥ ४८ ॥ वाकालयातिकुम
 ठक ॥ ४९ ॥ द ॥ ५० ॥ गियाथिक ॥
 वेधया ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥

क॥सुतकथनक॥नामकनगं॥
 ॥नामकनगं॥नामकनगं॥
 चानदयक॥धिकादिनथायदक॥
 याव॥ॐनामकनगंनिमिकमा॥
 ययुजायदेक॥तिवाक॥कलम
 ॥समुज॥मगुम॥वलि॥मगु
 जा॥कीमानीवामालकादलकन
 तय॥गुलालोखविनसाकोमा
 नीमानीकुजामल॥मवीनमाम
 मेमाल॥कुसायातथाकनन
 मकुयाकालम॥दाकनगु॥क
 लमद्यनतयावथा॥मवाचनन
 नामथायावथकलमसतय॥
 लममुलितय॥वाकगया
 लममकु॥कणिययावमग
 मकु॥वेधयामुयमकु॥पू
 दयादामकु॥नदगयातिथि
 ॥मनमकु॥मनमाखलनकुवन
 लायकावनामकुयाजातकमम
 लायननथीयावसमुजम
 तय॥ ॥

थमाखनथीमलमकुम
 ननदगया॥मगुवधानमगुव
 कु॥मलकुवननगु॥

क	न	मृ	जा	य	श	ज
अ	उ	द	क	क	रु	उ
ॐ	अ	वा	घ	का	रु	उ
उ	वि	क	रु	रु	रु	उ
५	व	कि	रु	रु	रु	उ
म	यू	उ	रु	रु	रु	उ
म	मा	ठ	य	य	न	ति
मि	ठ	ठा	य	पा	न	उ
म	ठि	य	ठा	न	ना	ता
म	ठ	यि	०	नि	ता	ता
म	अ	मृ	यू	उ	अ	ग
न	ता	उ	रु	रु	रु	खि
नि	य	जा	ठ	ठा	उ	ख
न	यि	रु	रु	जा	जा	य
न	यू	मि	ध	दि	व	खा
ध	न	यू	उ	व	अ	रु
म	म	म	इ	द	च	लि
नि	म	सा	ध	धा	ध	ल
नु	मि	द	म	च	चा	ले
न	म	दि	ठा	वि	ल	लो

गतथादिनमयुवालिमखमव
 यादवविधिथीकलनयुजा॥
 ॐयउमातामकथनामनगः

कललनननिमिथवाच ॥ ॥
 नामयावद ॥ ॐ दं विष्णु ॥ धन
 या ॥ ॐ दं जालि ॥ कमलमगुन
 (मगुजावलि (मगुम कोमावी
 ॥ ॐ दं विष्णु ॥ दं दं ॥ ॐ दीदी
 यस्त्रा ॥ मालरुदावगयावलि
 गगदल ॥ ॐ अशुक्त या निषद
 नय (पुत्रावमनिक्रिया ॥ मगुजा
 ॐ किनामथयननवथयुनय ॥
 ददवलिता ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 य ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 भा ॥ जायकाग ॥ वायकाग ॥
 मगुनं धादि ॥ मगुनं धादि ॥
 मगुनं धादि ॥ मगुनं धादि ॥
 धनमामनवयकाववालक थं
 कादिनीननवयकाववालक थं
 मालावद ॥ ॐ अमननि ॥ मगु
 कममान ॥ निमिक्त ॥ ॐ दं दं
 नं ॥ वलि ॥ ॐ दं दं ॥ मगुयाग
 लखनकाय ॥ ॐ दं दं ॥ मगु
 कललमदिवा नननकमामन ॥ म
 र्धचन्दनमिदुनयकायवीनय
 यधुयदीयमाग ॥ मगुनं धादि
 ॥ मगुनं धादि ॥ मगुनं धादि ॥
 याकललम निथेवालकलाय

॥ ॐ अमननि ॥ वालकयागलीवि
 ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 यायवलि ॥ मगुनं धादि ॥ मगु
 मिकलीकम (मगुनं धादि ॥ मगु
 लायकीनीवसथाय ॥ वायनका
 लकया जवकासनामकन ॥ मगु
 वरुनमाखवमकन ॥ मगुनं धादि
 मालकागयाव (मगुनं धादि ॥ मगु
 वनयक ॥ वायनीनये ॥ थकादि
 ननय ॥ मगुनं धादि ॥ मगुनं धादि
 वजनामिकमुधुन ॥ ॐ दं दं
 यस्त्रा ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 कावकलयमकाय ॥ वालक
 मगुयागलीखनकाय ॥ वायन
 दिदकिन ॥ मगुनं धादि ॥ मगु
 मगुनं धादि ॥ मगुनं धादि ॥
 यथकादिमगुनं धादि ॥ मगु
 ॐ दं दं ॥ मगुनं धादि ॥ मगु
 द ॥ वाकिले ॥ मगुनं धादि ॥ मगु
 यक ॥ मगुनं धादि ॥ मगु
 लखनकाय ॥ वालकयाग
 ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 मगुनं धादि ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 मगुनं धादि ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं
 मगुनं धादि ॥ ॐ दं दं ॥ ॐ दं दं

ਧੰ ੩

मं१०

॥ वाक्कलपयुजाग्रजसंकल्पममा
ल ॥ ललितकयस्थिक ॥ बालकमान
नवयावर्थकादिनीनलासाला
वस्त्रस्थिकमभाने ॥ निर्मलनव
लि ॥ कलनयुजायाचकमृग
ध्यादि ॥ मंडलमध्यादुखाननक
चक ॥ मंगरुताउचानेत्वाय ॥
मिथिनत्वाय ॥ मालकाग्रजनन
यावरुल्लयागनयाचक ॥ दक्षि
णदार्ढ्य ॥ वाचनकायावकलन
स्थिक ॥ चंदनादिमालादीद ॥ म
रुमानगसुधिका ॥ ॥ दुःखार्थि
स्वाक्षय ॥ कोमावीरुजाक्षय ॥
बालकनमृथनेकात्रयाचक ॥
वाक्कलपयुजाग्रजसंकल्पममा
वक्षाय ॥ धवश्यनयनागिन
यादार्ढ्यमयादार्ढ्य ॥ ॥ मिरुल्लया
गनविधिइला ॥ - ॥ ॥

याय ॥ वाक् ॥ डंयजमानस्याम्
कस्ययुगस्यान्वयानननिमित्तार्थ
अथदेकंवेद्यथादकवृष्टिप्रद्व
॥ ॥ कलनादिवाय ॥ कलनम
मीर्थेदकथंन ॥ समुल्लभज्जा
॥ ॥ मकोमानीकुजाजान ॥ म
मुल्लयादवने ॥ यवायधि वया
वास्तानमृदतमृडालमाला
मरुजगदि ॥ कालमवागमल
नंद ॥ यदिल ॥ धनिकामगया
वसमुल्लमदकास्य ॥ डानला
यकायकाखा कलनायासुल
युनिमगय ॥ ददवलि ॥ हुवन
वदिहानामनादि ॥ कृष्कसिधु
म ॥ कलनायात तलममिधि
नगय ॥ कायजलमामकुलमा
ल ॥ काचजनमाममाल ॥ चन्दन
यकायवीतयथाश्वलायनय ॥

वायनंनवर्थकादिनंनवकुल
कुर्मयाय ॥ यथाश्विधिम
कुलकलनायन ॥ ददवलि ॥
दिनमकलंयुजायाय ॥ ध्रुवदी
यादिजर्गंधादि ॥ ॥ गताथ
यदामाधन ॥ कर्मजयनमाध

नविद्यनन ॥ अमर्दनकिया
॥ असादनममिधकाम ॥ मगुल
वन ॥ कलनायनमी ॥ डंयुज
नथखाहा ॥ डंयुतवृद्धति ॥ य
वाद्यानर्ग ॥ उकनाद्यानर्ग ॥ यद
काम ॥ यदाकृति ॥ गिरिबकाम ॥
यचवागुलनंनमयाय ॥

अथविलमयुगाकृति ॥ डंदवीवा
वमजानयतदवाका विष्णुया
शयलवादतिमानामकुयमूकद
हानाधनवीगममानयमकुयमूकद
हा ॥ धृतनत्याग ॥ डंदवाध ॥
डंदवीवायचमजानयमित्यकु
वाजानाद्ययसृतिवामवाजादवा
मृडुतिश्कल्ययगिवाजादिमाम
वृवीजानविष्णुआलवाजायति
हथयखाहा ॥ डंदवाजाजाय
त्याग ॥ गतश्रुदाम ॥ डंयाजाना
नमनीतिखाहा ॥ डंदयाजय ॥ डं
जयाननगन्धनमनीयखाहा
॥ डंदमयानाय ॥ डंश्रुदयाय
थनीयखाहा ॥ डंदश्रुदय ॥ डं
॥ ॥ गानयल्लनीयखाहा ॥ डं
दंल्लगाय ॥ डंयजायतयखाहा

॥ॐ वम ॥ ४ य वि ग म सि ॥ मा म न य वा
क क ७ १ था ७ न न ल का व न ॥ ॥
जा श म क ता द का दा य का व ध
या द व न च न जा न या व जी व ता
दि थ दा म ध न दा य का व ग या
जा श न ला य ॥ थ का दि नी न ॥ ॐ
स्व मि ता ॥ स्व मि थ दा म ध मा
म न वा ७ न न ल का व न ॥ य ल य
मि थ दा म ध न जा यु दा न न य का
व न ॥ च गु थ दा म ध न जा यु का
य का ग य ॥ जा न मा ल का म ग न न
य ॥ क द का ग य ॥ ॥ जा श ल र य
न दा य ॥ जा धि र्य न ॥ ॐ न न न
न ॥ व ल क ता मि च क ॥ जा च य
च ल क स दि ग न द व न म ग न न
य ॥ थ का दि न दा म स थ या च न
जा म ग ध न ॥ थ मा ता दा ला व
य व य म का य क ॥ ॐ या ध म र
स्वा हा ॥ ॐ ग या ता य स्वा हा ॥ ॐ या
ना य स्वा हा ॥ ॐ उ दा ना य स्वा हा ॥
ॐ म मा ना य स्वा हा ॥ ॥ क जा न
क ॥ ॐ म न यान न म म दू र म म
॥ ॐ अ न य न न ॥ ध नि रु ल क य क
ता दि त य ॥ ला चु का न जा या द थ
म न या व न व य उ या दा व स्वा
ल क ॥ वी न क व ल म न ॥ ॐ ह क म
न

मिच्छाहादकगियाहककवमन
 श्रावगिप्रनेरनद्वजामा०मन
 वायासामिकमस्यकयिउलमा
 ०मनाइकामममसाहुवनका
 मस्यकतामायाआयवमासयावमा
 वर्कवर्कमकाकांमस्यमवमवका
 मस्यानर्यायावा॥॥नामिचक
 ॥पीवत्मादिसधिजानकइकाजा
 नक॥इयउकाडाथयमनस्यक
 ने॥वा१वातामनयावकलवव
 चकवाआननगयागुलि॥नका
 मलंकका॥मासनपुषाहावन
 यमाल॥वयय॥लखनहाय॥
 निगखनागय॥मयगुद्विविय॥

यदुदमयजायादाववालेकया
 कृत्तुधियक जनिविद्य ॥ मकु ॥
 उ०० धमातास१ सलिकमध्मासा१॥
 स१ सत्रजसादिद्यामन्त्रा१ सा०० नि
 जिमाडां तंतयदाधिषादिग्रामत्वा
 हा॥ कु० क विद्यावर्द्धनकरा ॥

शंकादिर्गलखधानायायक ॥ ३ ॥
 सथाकतममु ॥ ॥ यथाहितनजन
 लाखनकायायक ॥ वालक ॥ ३ ॥
 जविष्टदा ॥ अर्घ्यायलखनहाय
 ॥ चन्दनसिंदूरममुजनतयक ॥

ॐ यदयक ॥ व्यादि ॥ अनीवा
द ॥ ॐ यगवा ॥ ता यनहाले ॥
ॐ मनाकृति ॥ युगिष्टा ॥ ॥ मथवा
यननव मयाननव ॥ वसमव
यावयितयन ॥ महुताथायता
॥ स्वयदवनामालकासं खान
कं ययननक ॥ धनलिवाधाव
दायकावलिमह ॥ ॥ ॥

मथयसमडान ॥ मखाकृति ॥ दन
यागिक ॥ नातिकयष्टिक ॥ वाक
वमडा ॥ मन्मकल्यादि ॥ यवध
यादि ॥ धृतदीयवृत्तिकाहाम ॥
वलिमह ॥ दक्षिणदान ॥ न
मवधृतपावन ॥ युगीता ॥ यवक
॥ वम ॥ नयुगुयग ॥ नगमयुगु
॥ ॐ आयायस ॥ मसमा ॥ उयम
धुलमन ॥ मगनधमादि ॥ ॐ तनु
या ॥ नमि ॥ मन्मनकाकृति ॥ कसक
नगयावकलनागिधक ॥ चन्दन
सिद्धमनुजनीवादि ॥ ॥ वालक
॥ मरुमाननियुगिष्टा ॥ वलिद
खारिखाकृय ॥ कोमात्रीयुडाकृ
या ॥ यवविमह ॥ मृशनादिध
य ॥ वाकवय ॥ उडमाननको
मावीया ॥ मयकाय ॥ ॥ गिस

नयाननविधिः समाप्तः ॥

मथयुगकनगकधुलिदाविधिः
॥ दक्षि ॥ ल्यनव विद ॥ ल्यनव
द ॥ ल्यनव ॥ ॥ नकर्मधकादिस्य
यावदकयाय ॥ ॐ ममकस्यवृडा
कनगकधुलिदनिमिरुकेमाय
दे कयवीदकवृद्धिभद ॥ वाक
मृशानीविधिधयवाकया
य ॥ वाक ॥ ॐ ममकस्यवृडाकन
गकधुलिदगनगुननाममकन
निमिरुके ॥ ॥ विधिधयमनया
यनदवृद्धकावाय ॥ ॐ उयनय
ममवृद्धनकासूगविधिकिया ॥
शकननगनवृकोमात्रीसूग
रित ॥ दक्षिणवकेनीयमवासा
वकेमिया ॥ मृता ॥ आदियादिक
मनेवया ॥ उयकृत्तमालिक ॥ वि
मान ॥ यनमया ॥ उकावमृद्धिवा
दक ॥ युगीनगविधानम्यामीन
यी ॥ नुस्वमिक ॥ ॥ नगवृद्धका
याय ॥ धनि ॥ ॥ आदिलवर्गचय
उनडानीमदनमथा ॥ यागिमाती
वममनियुगलजाममहर्ग ॥ ॥
मृशधिकनगनवृगनाचनविला
यथा ॥ युगकधुलिवाहयथा ॥ उय
महमो लिका ॥ ॥ यालचि ॥ न

नदुःखान्तरालमदन्तरालमया
प्रकृत्ययतायजदन्तरालमया
य॥ इमेयायप्रकथ॥ यवनयवाक
तयावमलिसिलाप्रकथनय॥ नव
यतिद्वयुनीममकनिद्रतागना
जर्म॥ र्णमनयममुदवसुव
लिशखवम॥ हवतद्वलामकोः
मानीमृग्यालमादिनय॥ ॥ यज
न॥ ॥ उंमयादि॥ ययराजनी॥ य
धयुनउयकनयुजा॥ नैवेद्यवलि
उजा॥ यीरुयुजा॥ यितायनिम
कुतद्वय॥ ॥ उंमगमनान्ता॥ ॥ उंम
रुमयनी॥ ॥ उंममासुमयथा॥ ॥ उंम
उद्यकलर्ण॥ ॥ उंमधिकया॥ ॥ उंमदीघा
यम्ना॥ ॥ उंमया॥ ॥ रुलनी॥ ॥ उंमयनम्नाः
दिता॥ ॥ उंममालिका॥ ॥ उंमक्रुधु॥
॥ उंमम॥ ॥ रुवाय॥ ॥ ॥ यदुमसिप्र
मिद्रा॥ ॥ उायमागु॥ ॥ नवयथादि॥ ॥ म
गर्धमादि॥ ॥ र्णमनयलिथकादि
नीलवद्राय॥ ॥ कमानलखधवाथ
म्यलासालावध॥ ॥ स्मिकस्वत॥ ॥ नि
मैकुतादि॥ ॥ मर्धयागाम्नामयाः
इ॥ ॥ स्नानननक॥ ॥ मगरुताउचान
वाय॥ ॥ कमलाम॥ ॥ कोमानीकाम
॥ ॥ कमानयाकलाय॥ ॥ नववृन्दका
वाय॥ ॥ निलिर्वदनी॥ ॥ नयवउ

कायलमययमदवानमयदावदु
ममनय॥ ॥ कमानयालाहागमय
ननस्मिकवाय॥ ॥ नववृन्दका
लाहागमय॥ ॥ वाक्त्रवयुजा॥ ॥ क
दिवागिधकाणीद्वययनी॥
विमर्तनी॥ ॥ ॥ मरुमानगियुति
॥ ॥ ॥ लामालावयममामधमृया
यक॥ ॥ स्मिकस्वत॥ ॥ मयुवधविः
यवनधियक॥ ॥ ययकलकसधु
य॥ ॥ ययजा॥ ॥ कयमालकमानया
क॥ ॥ कोमानीयामाकसकायाव
नववृन्दका॥ ॥ नयननकिचक
॥ ॥ वदरावहनिदावा॥ ॥ इमनराइकि
लकानधुनक॥ ॥ ॥ निद्रमन॥ ॥

तनय्यागनादिनियकर्मकृता॥ य
गिगयक॥ ॥ वक्राष्टकलमयिताय
की॥ ॥ नानयकयकणीलीलक्री॥
रुधकद्ववायकमाल॥ ॥ यितायकी
उमनिनिवाकनिलीमायावका
य॥ ॥ ॥ वक्राष्टकलमउनागयक
यदणीलीलक्रीवली॥ ॥ नउजा॥ ॥ न
मस॥ ॥ मयुवधमवक्रगय॥ ॥ वन्दनम
धुलमवाकरुनिगय॥ ॥ रायिवह
मलनय॥ ॥ समिध॥ ॥ इविल॥ ॥ उलमि
याहल॥ ॥ वलनन॥ ॥ यिलकहल॥

वसिष्ठः ॥ लज्जितुः ॥ कन्या ॥
 धर्मात् ॥ वक्रायाः ॥ वदामः ॥
 निनिगः ॥ सनादयान् ॥ धनं
 वृद्धकाः ॥ कोमात्रीयचलनग
 यः ॥ अथर्थाकांक्षी ॥ उं मयादि
 ॥ यादयकांक्षी ॥ र्थकादिनयथा
 यकयाया ॥ वक्रायाः ॥ गितः ॥ म
 मसमनयागुलितर्गक ॥ य
 रूपागुलितर्ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथमाचार्यनवक्रावतयावक ॥
 यथर्था ॥ कलनयवश्मसग ॥
 गृह ॥ यृष्टमजीवत्स ॥ दक्षिणमय
 ल ॥ यन्त्रिमसधुज ॥ उरुवसकलन
 ॥ मधमर्षि ॥ उरुमसुग ॥ वक्राया
 जवसक ॥ खवमयामन ॥ यदय
 कपीहचन ॥ ॥ अथर्थादिनीन
 वाक्कलवालासालावयकलिसमन
 ॥ नमस्कृत ॥ नद्राहर्त ॥ वलि ॥ उं म
 धवा ॥ लखनदान ॥ उं स्त्रमिन ॥ उं द
 ॥ कोमात्रयाननाननक ॥ वक्रा
 दिस ॥ अर्धचन्दनयथधयदीयन
 यथादिक्काग ॥ ॥ यूलचधुवदाज
 मञ्जलवन ॥ यिवनर्थाकादिनीन
 लासालावदगयन ॥ र्थकादिनी
 नमगदगाउवा नवाय ॥ मगुल
 नवाय ॥ यवाक ॥ उं नवागमासध

दसमयावर्ग ॥ ला ॥ उं कउथकनम
 मागय ॥ धर्नवाय ॥ लनीर्धन ॥
 मा ॥ यमभुन ॥ कोमात्रयाक ॥ उं
 काकुंकाकुग ॥ ललाटदयक
 सधयथादययमृष्टिकमव ॥ हन
 र्थन ॥ हनकार ॥ ॥ ॥ कालयकन
 धगिधम ॥ उं दीर्घायम्ना ॥ चन्दम
 नूनमगुलनीवोद ॥ मरुजाननि
 यनिष्ठा ॥ मासधमृयाचकीधनय
 न ॥ उं वन ॥ कोमात्रयगनयाय
 क ॥ मा ॥ उं कयक ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथकलविक्रमयायविधिधुं ॥ र्थ
 कादिन ॥ ॥ उं कयानत्रिग ॥ यवि
 सनर्ग ॥ र्थिवाकायय ॥ गताय
 थाशविधिमकुलकलनीवर्न ॥ उं व
 क्रलवजायगिमृकथश्चकलन
 यगलययादिमा ॥ मय ॥ मगलय
 त्रिवात्रय ॥ उं दमासर्तययर्था ॥
 गमादनावर्त ॥ उं गलायासीमीनि
 ॥ उं वक्रल ॥ उं दमासनाय ॥ ध
 न ॥ यीनयीनचगुवोदवक्रावर्त
 युनानर्त ॥ उं सयानर्तयविगर्गम
 दमालाकमगुल ॥ उं वक्रल ॥ ध
 नययर्था ॥ वद ॥ उं वक्रययर्त ॥ उं
 वक्रलयर्त ॥ उं यजायगय ॥ ॥
 मयकलमयजा ॥ जीवत्सम ॥ उं

धनाय २॥ **ॐ** यः शुभं मनः उत ॥ यः शुभं
धनाय २॥ **ॐ** दं विष्णु ॥ धनाय ॥ **ॐ**
सामाय २॥ **ॐ** नावती धनं मनीहि
रुगं मयं वसिनी मनवदनाया ॥
शक्त्या वादनी विष्णु वरं दाधकृपु
धिवी मरिगा मयूखे ॥ कलना ॥ **ॐ**
महा २॥ **ॐ** दत्तं गोदत्तं स्वाधाया
गवात्रीय न मध्वं कल्यायनी ॥ उ
र्ध्वयज्ञं नय न माजिह्वनं ॥ स्वर्ग
समावदत्तं दत्तं दृष्टं मायमाति
वादिष्टं यज्ञं मातिष्टं विष्टं मय
मं वा विष्टं यज्ञं ॥ **यामना** ॥ **ॐ**
निलाय २॥ **ॐ** विष्णु वरं वीर्या विवा
र्यं यथा विवा निविमं मन्त्रा ॥ मि
जास्तुताय दत्तं मध्वं विष्टं
कमाजिह्वं धनं मया विष्टं वत्ता
॥ **मन्त्र** ॥ **ॐ** मन्त्रलाय २॥ दिवा
वा विष्टं रतवा विष्टं मदावा वि
ष्टं वारं विष्टं ॥ उगं हि रुक्ता व
मनाय न स्य यत्तु दत्तं गदात
या विष्टं वत्ता ॥ **॥ यः ॥ ॐ** यः शुभं
य २॥ **ॐ** यत्तु दत्तं वरं वीर्या व
गं गरी म ॥ कृत्वा न विष्टं ॥ यथा
वष्टं विष्टं म ॥ दत्तं विष्टं यत्तु
वना निविष्टं ॥ **॥ न ॥ न ॥ ॐ** यः शुभं
य २॥ **ॐ** विष्णु ललाट ममि ॥ **ॐ** यः शुभं

कलनाय ॥ **॥ गवयगि वलिना**
यमादिष्टं सवद नयुजा ॥ मयुवमं
॥ **ॐ** वाक्क वम विगन ॥ **॥ ॐ** दधिक्
यागि ॥ **ॐ** दीर्घायुस्त्वा ॥ **ॐ** विगमि
दिना ॥ **ॐ** मयुक्तं या निषद नय ॥ **ॐ** वा
वम गिह्वं गा ॥ **॥ म ॥ ॐ** किलो म
थयत्तं नय धयुनय ॥ **ॐ** कलना ॥ **ॐ**
य विगुष्ट ॥ **ॐ** मयुलि ॥ **ॐ** दिव्य
गर्क ॥ **ॐ** मयुलि ॥ **ॐ** वय ॥ **ॐ** साम ॥
यवा लि वि ॥ **ॐ** धान्य ममि धनिदि
दयानया वयत्ता दाना यत्ताया
नायत्ता दीर्घा मनयुगि मिसाय
यधम्यवा व ॥ म विगो दिव्यया
विष्टं गिह्वं कान्तिदत्ताया विना
यत्तु वत्ता मदी नयिथा मि ॥ **॥ म ॥**
म ॥ ॐ मानकाक ॥ **ॐ** वाक्क ॥ **ॐ**
ॐ वृद्धं गत्तु दिव्य मिया यनामा
मन्त्रं दिगता माजिह्वं मा मन्त्रं
दि ॥ **ॐ** ललाट ॥ **ॐ** निवर्कं या मायय
य ॥ **ॐ** मन्त्र ॥ **ॐ** मन्त्रं गिह्वं ॥ **ॐ** मन्त्र ॥ **ॐ**
वसा ॥ य विगु ममि ॥ **ॐ** ल ॥ **ॐ** य ॥ **ॐ**
लनी ॥ **॥ कोमा नीवा ॥ मनिनि ॥ ॐ**
नम ॥ **ॐ** गवाय ॥ **ॐ** ल ॥ **ॐ** कया ल
॥ **ॐ** यत्तु कया ल ॥ **ॐ** यत्तु कया ल
हिष्टा नाजा दि ॥ **ॐ** मा मा दिष्टा दि ॥

गुणद्वयसंगत्यायान्त्याय ॥ ॥
वसुविद्य ॥ उं वसोऽयविण ॥ अल
कानादिविद्य ॥ ॥ सवावसवाक
रुणि नगवृन्दकाग्यायवलाय ॥ उं
स्वहितामिमीता ॥ नगवृन्दका
नकावा नक ॥ उं सरुया वि सरुय
सावाकागवदतव ॥ तासामीसा
नारुनवयवाचीनामखाकृति ॥ ॥
सादयिगिनिविद्य ॥ उं यडायनन ॥
यवाकतवादावद्वय ॥ चन्दनसि
द्वनालीवद ॥ अतिनिनवाय ॥ उं न
मः र्णरवाय ॥ ॥ कामानमल ॥ उं ग
ववाय ॥ चाकुरुविन ॥ उं वृदस्य
नरुगिनसिवायनाममगद्विहिता
उमाडनसामामगद्विहि ॥ ॥ गितः
लनमाधन ॥ आरुति ॥ यूयु ॥ उं
वक्रयकूर्ण ॥ आरुति ॥ उं ॥ उं द
विद्यु ॥ आरुति ॥ उं नमः र्णरवाय ॥
धमोयालनवाववा ॥ वातनवा
य ॥ सरुमानगियगिद्य ॥ उं मना
रुति ॥ ॥ नगः र्मखाडुति ॥ नाडाद
न ॥ नमिकयादिक ॥ वाक्रवयु
न ॥ अध्याय ॥ वलियूडा ॥ न
वयद्वर्णन ॥ यायविरुहाम ॥ व
लिहवर्णदिकि नमदान ॥ नम
वयामन ॥ ॥ नगयूयु ॥ उं दवा

मिले

गयु ॥ उं मायाय ॥ मसमायधन ॥
जायकाय ॥ अगुर्गधादि ॥ उं ननूय
न ॥ यरुविमर्जन ॥ मृथानादि ॥
क्रकनगयाववकालखनमरिथ
क ॥ चन्दनसिद्वनमगुमनीवीद ॥
सरुमानगियगिद्य ॥ ॥ कलनका
या ॥ वक्र ॥ कमिनयाग ॥ जीवन्म
यवादिन ॥ यडा ॥ मियाग ॥ ध
उमिथकादि ॥ कलनसार्थकादि
॥ वामननाकार्थकादि ॥ मरुमा
यान ॥ रुगचिणकान ॥ नखनड
॥ नीलक्रीकमन ॥ वक्राकुरुथे
मासगयाववकालखलय ॥
यिवननकमानवाडगदयाव
धगुलिसुखिकविद्य ॥ ॥ न
यकाडकाय ॥ दुखाधिखाकाय
॥ कोमानीकुडाममाल ॥ यसाद
यिगितिसुनिनिनगवृन्दकाग
दिनथवश्वगुलिसगय ॥ ॥ रा
निनियाग ॥ सखादागुलधनि
वा ॥ गयावखामनवयमलि
र्मनवयायक ॥ वाक्रवराई
॥ यकृलिवनव ॥ सतिक्कनव
॥ दगुलिसयडा ॥ रुगिसमक्र
वदयकाडमवाकाय ॥ वाक्रव

वाक्यमुलियासकसतनाहनक
॥ गिचुठाकधुलिदह ॥ ॥ ॥

पथवदुकर्मयनियानिलिया
नकसक ॥ यथाकयायुजायादा
इवकाशाचक ॥ वानधखयक ॥ द
दनकगजयनियोरियुजायादयक
यायर्थकादिने ॥ यदुदुव ॥ वक्र
कलसनागनाययययययय
नीलीलक्ष्मी ॥ नायकाउयुमाद
धितिनिलि ॥ स्यादकाय ॥ धवि
नानकाय ॥ वक्रासदथनथति ॥
॥ गय ॥ गउ ॥ लचिकीधन ॥ वा
कादिमैल्यथाचक ॥ ॥ वाक्रेषया
कसदथला ॥ गकनर्यायादम ॥ द
गिया ॥ कादग ॥ द ॥ वे ॥ अयादा
दल्लद ॥ धतिवयसडयनयन ॥
॥ ॥ दसनक ॥ यादित ॥ उमिश
यार्थ ॥ ॥ धकादिधकादिनी ॥ का ॥
मालकामि ॥ नमियाचक ॥ नान
नियकमि ॥ दिधनक ॥ ॥ धका
दिस्यावदकाय ॥ कोमानीय
जामाल ॥ ॥ वा ॥ अ ॥ उ ॥ य ॥ उ ॥ मा ॥ ना
मकस्यडयनयन ॥ न ॥ मा ॥ मि ॥ म ॥ ध
नम ॥ य ॥ गी ॥ यु ॥ दा ॥ न ॥ व ॥ दा ॥ न ॥ र ॥ ग ॥ य

तिमिरुकमायदेवकयवाक
वृद्धिभद्व ॥ वायडा ॥ नायनिम
कनकाय ॥ ॥ आचा ॥ र्थ ॥ स्यादसन
याचक ॥ यथा ॥ विधानन ॥ कम
ला ॥ ग ॥ उ ॥ ॥ नगवृद्धकावाय
माल ॥ वाक्रेषयायुजादकि ॥ ग ॥ वा
यनजालनरियकायालीवादा ॥
मरुमानगियुगि ॥ मा ॥ स ॥ ध ॥ उ ॥ य
कावला ॥ म ॥ ल ॥ च ॥ स ॥ न ॥ ॥ को ॥ मा ॥ नी ॥ य
जाया ॥ मा ॥ द ॥ स ॥ व ॥ य ॥ न ॥ थि ॥ य ॥ का ॥ डा
नगवृद्धकागालन ॥ नगवृद्धका
मद्यायधति ॥ आ ॥ र्द ॥ ल ॥ व ॥ र्ण ॥ ॥ र्वा
दिकम ॥ ॥ मा ॥ स ॥ न ॥ व ॥ म ॥ ॥ शि ॥ व
क ॥ छि ॥ य ॥ ॥ नि ॥ ग ॥ न ॥ ॥ द ॥ स ॥ न ॥ का ॥ र्थ ॥ क
ल ॥ का ॥ न ॥ ॥ व ॥ वा ॥ नि ॥ ग ॥ य ॥ क ॥ नि ॥ चा ॥
लावदन ॥ ॥ ध ॥ ति ॥ द ॥ ध ॥ क ॥ द ॥ ॥

सतिक्क ॥ धतिगयक ॥ र्थगनादि
नियमैकता ॥ वक्रादिमष्टक
लननगयकयदुगीनीलक्ष्मी
मालकायाय ॥ य ॥ ल ॥ म ॥ गु ॥ ल ॥ ॥ ना
यकउ ॥ ॥ ग ॥ य ॥ श ॥ म ॥ ल ॥ ध ॥ न ॥ द ॥ ॥ म
निनिकाय ॥ म ॥ ल ॥ ग ॥ य ॥ श ॥ क ॥ ति ॥ नि
॥ ध ॥ मा ॥ ग ॥ ल ॥ मा ॥ र्थ ॥ द ॥ का ॥ य ॥ ॥ या ॥ व
दकायार्थकादिने ॥ आ ॥ र्थ ॥ य

गविधिधुवक्रावेन ॥ यथन ॥ म
कलनधवश्ममय ॥ वृणक
मधायो ॥ नागयकयकणी
लकीधवश्ममय ॥ ✱ ॥
वाक्रवयाशनमायनचिबका
माक्रय ॥ माक्रयं वक्रावेन नि
याय ॥ ॥ यक्रमयसयकलम
वाक्रवयालासालावस्मिकम
स्वन ॥ निनयन ॥ निमिचन ॥ उं
नक्रावन ॥ चयनितवर्न ॥ उं मध
वा ॥ वाचक मधयागलखनहा
य ॥ उं स्मिनि नुं ॥ वक्रादिया
कस्वाननक ॥ चन्दनययधूय
दीयमागययैर्कधनक ॥ ॥

गगयलयविडावमाक्रालड
न ॥ ॥ थकादिनदवयुजायाय ॥
धधनकडावाक्रवचानिक्क
यानिमिचनयादावदयनला
सालाव ॥ यूर्वालिमस्वनस्मि
कमस्वन ॥ येन निमिचनादि ॥
वलितवाचक ॥ दवस्मकगनक ॥
चन्दनादिमार्ग ॥ उं उल्कलाम्बुज
॥ मतकगुवातमगुवनलाय
॥ चन्दमगुनकानलाय ॥ उं स्मि
वाचनय ॥ ॥ यनदवयाक

निमाक्रय ॥ मयन
यकनगय ॥ उं कागुग ॥ वाक
वचायाकं वाय ॥ मयिलला
रुमदिकं वाय ॥ यदया ॥ म
दिकमय ॥ यादमृद्धाकं मित्रय
न ॥ यनश्ममकनय ॥ आउं दी
द्ययस्वा ॥ ॥ चन्दनमिदुनमना
लीवादि ॥ मयमावगियनि ॥ उं
मनादुगि ॥ मासधमृयाय ॥ ला
सालावदवठानकावकुव ॥ उं
मस्मिकमस्वन ॥ नउयुजाया
डाउं खाल कुलनदकिनीका
य ॥ चयुमगुलममय ॥ मखा
चक ॥ लमियाचक ॥ माउक्रय
क ॥ अनवमनगयकावर्न ॥
धनिमाक्रयविधि ॥ ✱ ॥

गगवाक्रवया थकादिनीनला
सावयक्रमयसयकलमस्म
मिकमस्वन ॥ वमाचक ॥ निमि
चन ॥ उं नक्रावन ॥ वलि ॥ उं मध
वा ॥ मधयागदकनहाय ॥ मग
रुताउवाउं नलाय ॥ मगुवनला
य ॥ वक्रविय ॥ उं वमायविग ॥
थकादिनदनीं वाय ॥ उं गाग
नमिदु ॥ गगवृन्दका नकाय

यक॥३॥सहस्राणिमह॥यसादधि
तिनिविद्या॥३॥युजायतन॥मनिनि
नत्वाया॥३॥नमः॥३॥रवा॥३॥मान
मल॥३॥नववाय॥३॥वदावनदाय
॥३॥दनमिद्वनमयुधनीवदा॥मरु
मयनियुनिह॥३॥मनाहृति॥मा
मधालियाचकाडावाक्कादिहान
काडाकुरिर्नर्माचकस्मिकमस
॥३॥स्मिना॥३॥धनरुर्निवदिनाय
३॥सामथकाडानक॥गायधनिध
गतक॥३॥नगवृन्दकारुणितिका
कायाडामलावमन॥३॥धनिरुर्नि
द्याविधि॥ ॥ ३ ॥

मथयुनस्यकिल्लिकमण्डामया
य॥॥यथा२॥विधानतकल्लाचनी
॥३॥नार्थयदामाधन॥३॥यनमनक
मादाय॥३॥नार्थयदामाधन॥३॥यनमनक
यथक्तना॥॥३॥कमानवानासि
चकाडाथकादिनीतलामालाडाय
रूयायकलिमयधिमामिमयन
खन॥३॥कमानवानानमालादिम
नकनगनतियमाल॥३॥धनरुर्निव
युर्वमासायान॥॥३॥कमानवानान
नमधुलमयुजायाय॥॥३॥कमान
वान॥॥३॥मयादि॥३॥यजमान

वदानयनयनानामोक्षवचनमय
गीयदानवदानरुगुत्रानामकुलम
धुलार्चननिमित्तार्थ॥३॥मयथावक
तन॥३॥आकृष्य॥३॥मासाध्याययु
जा॥३॥नादावयास॥३॥मासयुजा॥३॥गु
म्फमासनन॥३॥युर्ववद्याधन॥३॥गु
नमरुकेय॥३॥दमासन२॥यथार्थ॥३॥या
दाधरुसाधेयन्दनयकायवीनयय
धुयदीय॥३॥गुर्गंधादि॥३॥माग॥३॥कली
जलिबद्धा॥३॥गुनर्वुक्तागुनर्विषुगु
नर्वुक्तामहगुन॥३॥गुनर्वुक्तागुनर्विषुगु
लितमेलीगुनवनम॥३॥गुनर्वुक्तागुनर्विषुगु
धुलति॥३॥गुनर्वुक्तागुनर्विषुगु
ध्यादि॥॥३॥गुनर्वुक्तागुनर्विषुगु
न॥३॥चनदनादंर्ग॥३॥ध्यादकनरुमि
मिचयत॥३॥मयुक्कटलमदनयु
त्रिगामिवसुधवा॥३॥गदायनमनाध
यमिवामिर्गंधवात्रिग॥३॥वामक
नार्थयदामाधन॥३॥यनमनक
नयत॥३॥नमाकनकृच्छ्रनकथन
॥३॥ल्लधितायुधित्रीयनलयिता
गंधवात्रिग॥३॥युर्वुक्तामहगुन
इष्टुगमिष्टुगुन॥३॥रुजन्मस
यत्यायमिष्टुगुनमयुक्त॥३॥नरु
तकर्मसुगुनजन्मजन्माननयय

॥ उं क न यृ क्ति डालि कृत्वा य म यं क
क न य न सा अ ख गु म धु ला द्रु य गु ना
न य नि व द य न ॥ उं य य म वि वि क
का ध न उ य न वि वि ध क ली त स र्व
रु म्पा त द व न द नु ल व स र्व द ॥
रु म्पा य द न्ता मी ग वृ धु न म धु ल क
न य न ॥ त ग ल अ वि क य न ॥ य व
क न य च ल न य यि थ म १ ॥ धं द
२ ॥ धं द ५ ॥ धं द ३ ॥ धं द १ ॥ च न्द
ना दि य द्वा य वी ग य य न य ॥ न व म
ग १ न य ॥ आ श्रु द न व म ग य ॥
त ग य रू य न ॥ यि थ म ॥ क न न ॥
उं ॥ द्वा य २ ॥ उं म्पा य २ ॥ उं य मा
य २ ॥ न म्पा य २ ॥ उं व न्ध य २ ॥
उं वा य २ ॥ उं क व न य २ ॥ उं ॥
ग न य २ ॥ उं म्पा य २ ॥ उं द द्वा य
२ ॥ १० ॥ ॥ धं द ॥ उं आ दि द्वा य २
॥ उं सा सा य २ ॥ उं म्पा य २ ॥ उं
व धा य २ ॥ उं वृ द म्पा य २ ॥ उं गु क
य २ ॥ उं ग न य २ ॥ उं न क व २
॥ उं क न व २ ॥ ॥ धं द ॥ उं म्पा य
दा य २ ॥ उं य रू द द य २ ॥ उं सा म
व द य २ ॥ उं म्पा य २ ॥ ॥
॥ म ॥ उं व न्ध म धु ला य २ ॥ उं
मृ य म धु ला य २ ॥ उं म्पा य
ला य २ ॥ ३ ॥ ॥ ग न्ध म धु ला य

[illegible]

मानवाकूलमनयाचक ॥ पुन
 नयप्रिमामिस्वयादातामि
 य ॥ पुनवमपुनमनयादातामि
 यगीननाय ॥ कमानया निव
 मिजयत ॥ मयगीनधन ॥
 लीपुनमोक्त ॥ पुनवकमानया
 याचमुल्लिखतदाय ॥ डियविग
 श ॥ पुनवमकमानयागीनजय
 लयाडाविय ॥ ॥ इयपुनवक
 मोवाअधवासनककुतिनति
 यक ॥ मनु ॥ डियननुयवृहस्य
 तिर्वामययनधदमृगीतन
 लायविदधम्यायुधदीर्घाय
 स्त्रायवलायवस्त्रम ॥ मन्तनम
 कुलमयलावद्वयत ॥ तगम
 यलाया कमानयामजितयय ॥
 मयलामोक्षीगदामयकुलमया
 वाकलामधनपुनमयीनाडाय
 स्यमोदालगाविणयमयीवे
 स्यमाविगीपुनममामृष्टकाया
 ॥ ॥ यविगल्लिखतदायावमोक्ष
 मयगीनजयत ॥ मंजुगंधि
 थिय ॥ चगुलियथिहादिदिहा
 डामालगियक ॥ थथिगंधिहागु
 लिदयय ॥ ॥ कमानयानकुल

तिलजलधुनान्धिकादाता ॥
 मनु ॥ डियननुयवृहस्य
 नायपुनयविगयनगीममामग
 ॥ योमयानायाविलमादधाना
 स्त्रमादधीमरुगममखलय ॥ डिय
 मयगमगुममर्जल्लिखतदाय
 निवदवानस्ययययवलमा
 ध्वनिनगाखावाडागुनेपुनवम
 यगीममकदवगममोवक
 वक्रवस्त्रमाय ॥ पुनवलिपुति
 धुनानिलकलजल्लिखत ॥ पु
 वयनध्वनिययययययययय
 धर्म ॥ डियननुयवृहस्य
 मंजुगंधि ॥ डियननुयवृहस्य
 मायविगीममामग ॥ मड ॥ ययि
 वगियायमान ॥ तंधीनामधक
 वयडनयगिसाधमनमाद
 वयक ॥ ॥ जानाविग ॥ कवक
 यक ॥ पुनवममयगीननाय
 य ॥ डियननुयवृहस्य
 त ॥ यगीननागदेवयययययय
 दवगायययययययययययय
 पुजायति ॥ मकमवायदवययय
 ययययययययययययययय
 ॥ ययययययययययययययय

○

20

कनमनयाडाकमानचायवालि
 मुखनखन ॥ मुनयगिगननलधन
 ॥ उंरु॥ स्वाहा ॥ उं वनयकून ॥ उं वरु
 स्वाहा ॥ उं वरु विष्णु ॥ उं वरु स्वाहा ॥ न
 म॥ रवाय ॥ यूरुपुवनस्युलन ॥
 मयगी ॥ १० ॥ आरुनिपुवनस्युलन
 कमानचा ॥ ॥ मुनयप्रिमासिमुखन
 वान ॥ वाक्कवायवालिमुखनवान
 ॥ मुनयकमानचायगनलधन ॥
 यथामुनयगिगनन ॥ मयगीन
 चामयाय ॥ ॥ उं यवादयादकाय
 रुत ॥ ॥ गतविउ॥ मुमुवायनिम॥
 ॥ उं वनवर्धननीयनिम॥ ॥ रगु
 दवस्यमधमस्यनिम॥ ॥ धी म हि
 मूनामिदस्या ॥ २ ॥ ॥ धीथायान॥ कनि
 वार्या ॥ ॥ उं यवादयात्कननार्या ॥
 ॥ ॥ नितकनन्याम॥ ॥ ॥ गतविउ
 रुदयाय ॥ ॥ उं वनवर्धननिम॥
 रु ॥ ॥ उं रुनीदवनिखायवोयट ॥ ॥
 धीमहीकववायदुं ॥ ॥ धीयाः
 यान॥ नगायवयट ॥ ॥ उं यवादया
 वृमकायय ॥ ॥ ॥ यरुन्याम॥ ॥
 वरुमयगीकनगन्यामनलध
 ॥ ॥ यवाम्याम ॥ ॥ उं रु॥ नवर्क ॥ ॥
 उं वरु॥ यवर्क ॥ ॥ उं वरु॥ कककभा ॥
 उं वरु॥ यवर्क ॥ ॥ मयगीनमधयागद

कनमिचन ॥ आचार्यकमानक
 ॥ ॥ उं यवादयागमकाययट ॥ ॥
 मयवाकन ॥ ॥ उं गतविउदया
 यनम॥ ॥ दयागान ॥ ॥ मयवालि
 नसियाददथनामकननस्युल
 ॥ ॥ निमसिदुदियादममार्कन ॥ ॥
 गत॥ कमानवायामकननयाय
 ॥ ॥ मुनययवाडा ॥ ॥ यवाम्यामरुगु
 द्वागालययदिवधन ॥ ॥ मयवाका
 नमानरु ॥ ॥ ॥ मुखमावर्कनीहल
 वीजनामानिजाजय ॥ ॥ मयवा
 यवीजनदरुनवक्रिवाउके॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ कवीजवर्ननामृताकर्ण
 ॥ ॥ ॥ मयकमानचामनययाडा
 नदीमयगीयुदान ॥ ॥ ॥ यथाम ॥ ॥
 ॥ गतविउवर्धन ॥ ॥ द्वितीय ॥ ॥ उं रु
 रुनीदवस्यधीमहि ॥ ॥ गमार्थ ॥ ॥
 रु उं वरु॥ धियायानयवादया
 ॥ ॥ ययुध ॥ ॥ मयगीचमवर्न्या
 ॥ ॥ ॥ मयगीचमवर्न्या ॥ ॥ ॥ मय
 मयगुलमवि ॥ ॥ ॥ मयमावि
 गीजगमी ॥ ॥ मयगामयगी ॥ ॥ ॥
 नावीद ॥ ॥ आरुनिपुष्प ॥ ॥ उं वरु
 नदीकामायातिदीक्षायातिदक्षि
 ॥ ॥ ॥ ॥ मयमायातिगुदयामरु

दधुजाडाडयउय॥ उंरुवगिरिः
 कामिदहि॥ खालामचादलखग
 लगे॥ उंरुमि॥ मामनयमाननक
 लसीरिखाकय॥ पुन्यातवच्चिवि
 यमाल॥ वचितवदयागडाथय
 ॥ रिक्कामिदहिनाउर्य॥ ॥ रिक्क
 मयदिरुवगिरिनाउर्य॥ ॥ यनः सु
 तकसुनियमानवर्कमि॥ पुनः ॥
 यावद्रुदयदमासतावमोर्नगिषु॥
 यदनावाटं॥ ॥ पुनः ॥ उंरुधनय
 नकन॥ ववाटं॥ ॥ पु॥ पिनायमदा
 नलवनवर्कनकन॥ ववाटं॥ ॥ पु॥
 कामादीननवृयगीनवाद्यादीनन
 कय्याग॥ ववाटं॥ ॥ पु॥ कामये
 गीतमयगयवगीयनवाननन
 कसि॥ ववाटं॥ ॥ पु॥ अयनकम
 नकयामाकननगकु॥ ववाटं॥ ॥
 पु॥ नवधवतुडदयानातवदव
 वृक्षानाकलुलपययगसंधिमय
 वविदुनस्रानेवियमलधनस्यव
 दनसंधादिरययदगरेकनानिनक
 य्याग॥ ववाटं॥ ॥ पुनः ॥ नरुव
 स्रानेरिक्काडयतिः ॥ गिपूतवृषयः
 पावृतायुडदयमवजः ॥ यामानमय
 दनादिरयकुत्माननावदनाकागला
 मिदिषुमी॥ यदचतायदसनयग

कृगरेनीमिउयगिवयासकूलमि
 गिनकलरुगालमिगिकयाल॥ व॥
 वाटं॥ ॥ पुनः ॥ मदिधनूत्रिगिधन
 न्धननोयनीयमेनाचकीगावला
 यामनगदितायामावुत्सयगिषु
 नमूगयनीयकय्याग॥ ववाटं॥ ॥
 पुनः ॥ स्वययगीयकाधनमूलीगवि
 कृतावामानाकदयीगदगधुनावध
 गस्यासर्वगालाननमययसध
 यामियमिय॥ ववाटं॥ ॥ ध
 गिधनका॥ ॥ मिकाकन॥ उंरु
 मरिगाग॥ वनायानि॥ ॥ नकिक्
 योधिक॥ वाक्कायुडा॥ दिनयुनी
 ॥ उंरुधुदययनायग॥ मारीसा॥ ॥
 माग॥ उंरुधुद॥ मूगर्मधदि॥
 ॥ गिदिनयुनी॥ ॥
 मगसूर्यविक॥ नगतिमलवल॥
 वदसयनाक्रमधाययक॥ उंरुधु
 मधामनदगमधकस्रानकमेवि
 मयनाक्रमयामधसूर्यनदग
 वकिता॥ ॥ पुनः ॥ मदायाहगिनका
 कृगिविया॥ वदमाचार्थयाउवम
 नयावमाकृत्रिकमेयावक॥ ॥ मि
 काकाया॥ उंरुधुनमधुवमधुवम
 माकनसाहा॥ उंरुधुधनमनयम

गुवाग्रमिच्छाहा ॥ ॐ एवमा० म० व०
 म० व० म० मा० क० न० स्त्राहा ॥ ॐ य० ध० ल०
 म० ने० द० त्रा० त्रा० य० रु० नि० धि० या० अ० मि० स्त्राहा
 ॥ ॐ ॥ अ० नि० य० य० ॥ म० मि० ध० रु० न० ३० द०
 य० ॥ ॐ अ० ने० म० मि० धि० नि० ॥ य० न० १० मि० द०
 का० दा० य० ॥ ॐ अ० ने० म० य० व० ॥ ध० न० लि० ॥
 ॥ ॥ म० र० द्रा० रु० नि० ॥ द० ल० म० द्रा० नि० ॥ न० नि०
 क० यो० द्वि० क० ॥ वा० द्रा० व० य० द्रा० ॥ य० व० धा०
 द्रा० दि० ॥ व० लि० य० द्रा० ॥ ने० व० द्रा० द० न० ॥ व०
 द्रा० व० अ० न० म० क० ल्या० ॥ दृ० म० द्रा० य० व० रु० नि० क०
 ॥ या० य० द्वि० रु० द्रा० म० ॥ व० लि० रु० न० व० ॥ द० दि०
 न० द्रा० न० ॥ व० द्रा० व० य० व० य० न० द० ल्या० ॥
 य० वि० य० मा० य० न० ॥ म० न० व० य० म० न० ॥ ॐ
 य० व० द्रा० द्वि० य० न० य० न० ॥ ॐ अ० य० य० य० ॥
 अ० म० म० ॥ ॐ म० क्रा० ध० ॥ जा० य० क्रा० ॥ ॐ
 मृ० य० द्रा० य० य० य० ॥ ॐ व० द्रा० न० न० म० ॥ ॐ
 क० व० न० ग० ला० य० स्त्रा० म० नि० खि० ल० द्रा० न० गु०
 १० म० व० न० म० य० व० क्रा० न० न० द्रा० य० ल० क०
 रु० व० क० ल० य० रु० न० द० व० व० क्रा० रु० द्रा० य० ॥ द०
 रु० न० क० रु० न० न० य० व० म० नि० द्रा० न० म० ग० व० द्रा०
 ग० मृ० रु० य० रु० न० मा० दि० द० वा० व० ल० व० य० न०
 च० रु० न० य० द्रा० क० न० मा० सु० ॥ म० गु० व० दि० मा०
 ल० का० ॥ म० न० ध० दि० ॥ ॥ ध० मि० ध० म० क०
 ॐ य० व० व० द्रा० न० म० रा० द्रा० व० न० ॥ अ० नि०
 न० न० द्वि० ॥ अ० रा० य० न० द्वि० ॥ व०
 मा० य० न० वि० म० रु० न० ॥ वा० च० न० द्रा० ल०
 ना० लि० ध० क० ॥ च० न० न० मि० न० म० गु० न०

वदुःखायक॥ वदुःखिनाचम्यवदुःख
 दृष्टिः निमूखनक्षयानिमदहाडादधुः
 कथितस्वालाजादुडा॥ लिखादुःखान
 मासयाक॥ उं मात१ साकनसाह
 मर्नरुवनिमदहि॥ ॥ स्वालासर्वा
 लखवसनालग॥ उं स्वमि॥ २॥ ला
 यागलसर्लखनयकयायावधका
 कदुःख॥ ॥ लखकाडावउया॥ उं
 मर्थमिचनजानननवममि॥ ॥ वलि
 विय॥ हायाचल॥ थलखन॥ उं
 पृथियेस्वाहा॥ उं पृथीनाजायस्वाहा
 ॥ उं न्रियस्वाहा॥ उं लक्ष्मिस्वाहा॥ उं म
 र्थयादवस्वाहा॥ ५॥ ननक्रिवलि
 ॥ उं रुयनयस्वाहा॥ उं रुवनयनस्वा
 हा॥ उं रुतानायनयस्वाहा॥ अन्न
 जायया॥ उं अन्नयनन॥ लखकाहा
 कावतान॥ उं अन्नघननिरुगय
 गुहायाविघ्नगामूखशर्ल्यरुस्वव
 यद्वानसायाअनिनसामृगस्वाहा॥
 यथगमकाय॥ अगुलान॥ उं या
 गयस्वाहा॥ सालान॥ उं अयाना
 यस्वाहा॥ दलान॥ उं दानायस्वा
 हा॥ सालान॥ उं उवानायस्वाहा

[illegible][illegible]

गंगा यद्गङ्गा यद्गङ्गा यद्गङ्गा यद्गङ्गा यद्गङ्गा ॥
वदयानि यन्मनसूक्तानि कर्मसंध्या
धूनेक ॥ ॥ गुन्यानि यन्मधूनेक
॥ यथा दकया यमालहृया ॥ वा
॥ उं यदपरिमाणाद्याय देकवृद्धि
संध ॥ ॥ निययिदवाक्कणयानिया
॥ दक्षिर्नगव ॥ खलासगव ॥ उमिद्र
सगव ॥ उकङ्गनव ॥ सचायद्रुसगव
॥ यददीक्षामयणीपदान ॥ ॥ गुन्या
॥ उं मृयादि ॥ यथराउर्न ॥ वाक्काष्ट
कलणवल्लिणउडा ॥ ममममुज
वदिहामदिममवदनयूजा ॥ ॥

25

20

15

10

5

0

वननदीका॥यु०॥ ॥आचार्या
 अवसनयाववदुःखानिकर्मयाच
 क॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमसि
 ध॥३॥अ०नमस्तु॥३॥यु०व०॥
 ववाय्याविधिधुःखानिकर्मया
 च॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 ॥॥गयाआचार्यासंकाशुनि॥द
 भयानि॥भनिकयोदिक॥वाक्य
 यु०॥अवधुःखानि॥वलिपुदान
 ॥नेवमद्वर्तन॥वाक्यभनसंकल
 ॥धृमदीयवृत्तिकारम॥वाक्यवि
 धु०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 ॥दक्षिणदानं॥नववयानन॥नत
 ॥यु०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 याचय॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 रुनत॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 का०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 वद॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 न्यानीवा०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 याचय॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 य॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 दीका॥वद॥॥धनवदुःखानि॥
 क०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 नविमस्तु॥यु०॥३॥अ०नमस्तु॥
 तनूया॥नमि॥मंधकवर्ण॥क०॥
 यावदुःखानि॥३॥अ०नमस्तु॥
 वकायविधु०॥३॥अ०नमस्तु॥

पुनानीवा०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 ववाय्याविधिधुःखानिकर्मया
 च॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 ॥॥गयाआचार्यासंकाशुनि॥द
 भयानि॥भनिकयोदिक॥वाक्य
 यु०॥अवधुःखानि॥वलिपुदान
 ॥नेवमद्वर्तन॥वाक्यभनसंकल
 ॥धृमदीयवृत्तिकारम॥वाक्यवि
 धु०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 ॥दक्षिणदानं॥नववयानन॥नत
 ॥यु०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 याचय॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 रुनत॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 का०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 वद॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 न्यानीवा०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 याचय॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 य॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 दीका॥वद॥॥धनवदुःखानि॥
 क०॥३॥अ०नमस्तु॥३॥अ०नमस्तु॥
 नविमस्तु॥यु०॥३॥अ०नमस्तु॥
 तनूया॥नमि॥मंधकवर्ण॥क०॥
 यावदुःखानि॥३॥अ०नमस्तु॥
 वकायविधु०॥३॥अ०नमस्तु॥

0 cmts. 5 10 15 20 25 30 35

कमलपुष्पवर्णमधुवासादिकल्प
 सुलियर्थीति विदुषागविद्यया ॥ सु
 धवदरुसमनयावमयनाक्रमस्य
 याचक ॥ वलरुलदडा ॥ धनादा
 यमाल ॥ वदन्तुसुत्रिकमयाच
 क ॥ उंमूनेनुपुव ॥ ५ ॥ ००यादि
 पूर्ववत ॥ सुत्रार्थव ॥ संख्यादि
 दणायानि ॥ धनक ॥ धृष्ट ॥ उंमूद
 य ॥ ॥ समानागवावनीरिका
 कय ॥ ॥ यद्विस्मयन ॥ कलेन
 रिधक ॥ चन्दनाद्यानीवाद ॥ ॥
 वदरायचक ॥ वाक्कणदिगार्थ
 ॥ ००गिणवनीकर्मविधिः ॥ ॥

यथसमावर्तनविधिः ॥ वदन्तना
 दिनित्यकर्मधनक ॥ धकोदियरु
 गितधनक ॥ यावदकयायमाल ॥
 उंममावर्तनारुदकयवाचकवृ
 द्धिणमद्व ॥ वाक् ॥ सुदकलनमधु
 उक्ताधमिसनीर्थयालखधन ॥
 माइइरुव ॥ गारुलयास ॥ मयुगन
 ययगिणममवलिवदिद्वानादना
 दि ॥ रुलकनगयमालका ॥ ॥ उंम
 यादि ॥ यद्यगार्थ ॥ पुन्र्णकल
 नमर्चन ॥ पुन्र्मनवद्यासार्धयाग

आमयूजा ॥ गताद्यावाचन ॥ उंम
 लायामि ॥ विणयादकलनयु
 जा ॥ यथम ॥ उंमयूजा ॥ १ ॥ उंम
 य ॥ ॥ उंमद्विषु ॥ २ ॥ उंममाय २
 ॥ उंमनावनी ॥ २ ॥ उंमया २ ॥ उंम
 वपुनी ॥ ५ ॥ उंमनिलाय २ ॥ उंम
 सुकवीयादिवाचय ४ याथितानि
 विममनजा ४ मिथा १ स्करायदक
 न ४ मधसुविचकमागमु ॥ धनम
 याविषुवत् ॥ ५ ॥ उंमनलाय २ ॥
 उंमिवावाविषु ॥ ५ ॥ उंमयूजाय
 २ ॥ उंमयुगद्विषु ॥ १ ॥ उंमयुगमाय ॥
 उंमिषुललाग ॥ ६ ॥ मधु ॥ उंम
 ६ ॥ ॥ उंमवक्त्रन ॥ उंमवक्त्रन
 ॥ उंमवक्त्रयूना ॥ ॥ उंमवक्त्रयूना ॥ उंम
 गानमिदु ॥ उंमवक्त्रनमवितन ॥ ॥
 ॥ मवलिलममसादिसुवदन
 यूजा ॥ मासादियकादिधुयदीयक
 लनवेद्य ॥ उंमवक्त्रि ॥ उंमवक्त्रि
 ॥ ५ ॥ उंमनाद्वि ॥ यमिद्व ॥ उंम
 यमाग ॥ मयगधदि ॥ धमिधन
 काडा ॥ पुन्र्णकलनिकर्मयाय
 ॥ पूर्ववद्यथयथविधिमकुणक
 लनमर्चन ॥ ॥ वदयगिमल ॥ ॥
 उंमवक्त्रयूना ॥ ॥ पुन्र्ण ॥ उंम
 यामि ॥ वदन्तादि ॥ गताद्यदासा

हा। यस्याक्याजिन्धस्यथाउनय
 अचन॥५॥ गृष्मिन्हाय॥५॥ यम
 लेखनहाय॥५॥ यावाचनसुमित्र
 गृह्णामि॥ गृष्मिन्हाय॥१॥ यमलेख
 नहाय॥५॥ यावाचनसुमित्रगृह्णामि॥६॥
 ॥ यस्याग्याकायउका
 य॥ गमनलेखनिकाय॥ ॥ मज्ज
 नास्यकाय॥ वदनसुखला॥ मज्ज
 उंदकथिसयित॥ उंदकर्मवन्
 दयालममदवाधमीविमधु॥
 अथासुधावयमादिर्यवगतवा
 नागसासुदितास्याम॥ कवचमि
 चकिर्मियागवागिकातायावचु
 रितन॥ ॥ वदमववमुनस्य
 क॥ वदनामियावसूयाद्यया
 य॥ उंदशुजाजशुनिन्दामनूहि
 नस्कायागयावहिनस्कागदलनि
 नमिदलमनिमीकवमिददमाय
 मय॥ यन॥ उंदशुजाजगृष्मिन्हा
 मनूहिनस्कासुमसमिन्मिसरु
 मुनिमीकवोदिदमगमय॥२॥
 वदननानवाचक॥ मासवानक॥
 ॥ दिमिनथियक॥ कामसलखल
 खक्य॥ धकाकलखसकायव
 कामलधनितय॥ ॥ नडवानान

उदकायाय॥ दक्षिणचन्द्रम
 ललाविय॥ धलखंलावमालः
 मसखाचक॥ लमियाचक॥ यिव
 नयकाडाकवयक॥ डोदमनवा॥
 दविनमिनवाचयक॥ मनु॥ उंमः
 न्यायाययुद्ध॥ सामानाजायमा
 गमन॥ सममखयमाकगयना
 चरणनय॥ तासिचक॥ उयस्यन
 न॥ वदयागनसाकविया॥ कवग
 क॥ चन्दनादिगृह्णकर्मवाना
 मिकयासुखरुसुदयनसुवीड॥ उं
 याभायाजेमनयीयत॥ उंचकर्म
 ययत॥ उंमगमनयीयत॥ लाह
 तमिय॥ ॥ वायदतसा॥ उदका
 जलिर्वमगय॥ उंरुसुमधध्व॥
 वायमदतसासुयमयनगिलाद
 कगय॥ दक्षिणरिसुखन॥ उंय
 आनगामूकयिगुयआतामनमि
 गिलादकीयिगन॥ मधध्व॥ उयस्यन
 न॥ ॥ लाहानमिचक॥ यनमुचनवि
 य॥ वदनयउय॥ उंमचकाकर्मि
 यारियास॥ सुवच्चासुखन॥ सुपु
 कर्मुयारियास॥ सुवीडलयेनी॥
 यन॥ मगनयाचक॥ सुकललन
 ॥ वदधवशुलिनी॥ उंइजगमन

मया कर्माणां कथा ॥ लामा रोगजा क
रुलका ॥ लक्ष्म कर्म ॥ कलवतः
काथया ललका मकुचिहा उहानक ॥
थकृद्वत रस्य दलन कनडा न ॥ हथ
याधयना ॥ वायन यति वियधास्य
गडाडा कन ॥ गय मिधु जान कन
हामालका मविय ॥ वाधावदायका
उलिहाडा ॥ ॥ हानमलमि म्यलि
ख ॥ लाधस्य दतयन ॥ यरुमिहा स
नमकुवमस्यमिकमस्यन ॥ ॥ गग
पुनलदलमिधानि ॥ मखाकृत ॥ वा
कगयुजा ॥ लानिकया हिक ॥ यव
धन्यादि ॥ वलियुदान ॥ नवशादिव
र्गन ॥ वाकगदिमसुत्रमकल्या ॥
घृतादीयवृत्तिकाहाम ॥ घृतादिमि
॥ १५० ॥ गगश्यायप्रिकहाम ॥ जि
यकुवागर्ग ॥ यउय्यादि ॥ गयगी
॥ उंदवकृगस्य ॥ यागहनि ॥ यउ
स्वमि ॥ यवधान्यादिवृत्तिकवलिय
द्याग ॥ मलवद्युगयागर्ग ॥ दद्विग
दान ॥ वाचन ॥ उंसुमिगीयान ॥ युगी
गयिअक ॥ यविगुग ॥ उंसुथाअद्यान
वति ॥ वक्रगयुर्गुयार्गदल ॥ ॥ जव
सवक्रगयार्गयावर्मयुर्गुकिर्ग ॥ उं
दवागयु ॥ उंसुय्यायस्व ॥ आर्मसा ॥
उंसकुधमसु ॥ जायसुग ॥ उंसुय

दा॥ अङ्गनादि॥ दत्तकलक्षणमिच्छाया
 र्गणीर्वादि॥ वक्रायुजीनविसर्जितं॥
 वक्राकूणमाचनं॥ गतकूणतयजी
 गतिवर्क॥ वक्राकाष्टाष्टयद्रुद्राय
 ॥ अंतनूया॥ नेति॥ अंशुयव्य॥ अग्निन
 दाकूमानवादिनतय॥ यद्रुयाव्यव
 सवाकूणवागयावनिर्मैकनं॥ अं
 नदाकूणं॥ वलि॥ अंशुयव्य॥ वार्क
 कलक्षणमिच्छाया॥ चन्दनमीन्दुनस
 गुणीर्वादि॥ मरुमाननियुगिच्छा
 ॥ ॥ वलि॥ अंशुयव्य॥ वार्क
 यद्रुविसर्जितं॥ अंशुयव्य॥ अं
 साष्टयागो॥ अंशुयव्य॥ अं
 नमदि॥ ॥ अंशुयव्य॥ अं

[illegible]

यथादकसनावजुनिन

वहवयाचनिनिश्च॥कायनायय
जा॥दमुलियुजा॥यमुजागदिको
मानियुजा॥॥रुविनलगतवृन्दका
॥यमादयितिति॥वासनयाकम
ला॥लिसाम्य॥दत॥कमावचात॥ध
दोकाधुलिसक्रय॥चन्दननिद्र
नसगुणनीवोद॥सक्रयतनाक
न॥काशकलकान्॥॥गिवतव
धनविधानसंयुग्म॥ ॥॥॥॥

शठनमावक्रा॥अथविहोवोवि
धिलिष्टा॥दीनकवात्रनसयक॥
यथायकयाय॥॥कविनितियक्रु
विवाहदलशिष्टिन॥गिनयचवताद
ल्ललवासद्युकात्रयन॥॥यजमा
नामकयविवाहदलस्यदेकयथा
दकवृद्धिप्राद्व॥यिताययीयिजुजा॥
वक्राचययार्गचायुजायाय॥क्रि
थलममक्रय॥अक्रुद्ववक्रा
कलललस्यदकाय॥॥अथदसन
कद्रया॥यिगिमिआचाययाहित
थकादि॥थकादिनी॥॥धुगुलिनक्र
॥मालकामलमियाय॥॥माननियक
मधनकाडा॥॥थकादिनयवादक

मा ५

नवलवजिन. क. म. पू. तावजिन

नवलवजिन. क. म. पू. तावजिन

याय॥यितायनिमकुचया॥चायुजा
चय॥॥यनिचक्र॥॥वक्रनिचाय
क्रुद्वकाय॥॥दसनद्वथक्रुद्वकाय॥
माचायवदसनयायमयाता॥॥
वाक्रगचाय॥॥युजा॥वाक्रगचाय
वक्रगिचाय॥॥नगवृन्दकायुजा॥॥
यक्रग॥॥थकादिनीनवाक्रगचाल
मालावसामिकमसुन॥॥निर्मिकन
॥॥वलि॥मलामश्वानतनक॥॥का
ययर्थनधनक॥॥मगरुताउचान
लाय॥॥सगुणनलाय॥॥नगवृन्दका
नलाय॥॥वाक्रगचाय॥॥नगवृन्द
कावाय॥॥वक्रगचाय॥॥नगवृन्द
कावाचकलकाय॥॥वाक्रगयुजा
दक्षिणमर्क॥॥वाचनजलनाशिअ
क॥॥चन्दननिद्रनसगुणनीवोद॥
सक्रयनितियक्रु॥॥मासधलया
य॥॥मथलामावक्राचनसामिक
मसुन॥॥कोमात्रीयुजा॥॥क्रुमका
याचननवृन्दकाययनधियाचन
लन॥॥क्रिचक्रविय॥॥॥धनयया
लमादिद्याय॥॥दसनराईकल
कान्॥॥॥निद्रमविधान॥॥॥॥

सतिकक्रयागमादि॥॥घटिनयक॥॥
क्राकललनानयक्रयक्रुदी॥॥लक्ष्मी
सगुणगलनवलिमायमसवदिद्या

कय ५

ममनादिमालकारुलकन॥थकादि
 मरिचिनीनिकमिधूनक॥यिनाय
 काय॥मलकं॥मयशमाला॥म
 निनिमथ॥थिठरुय॥रुनिनिधु
 गलिमोयिकाय॥॥थकादिआव
 दकयाय॥मययवकाचन॥थ
 वशययकायनागयदयदिनी
 गीलक्ष्मीद्विस्तुन॥॥यनचदि
 डाडासाकुनडातमरुता॥थ॥म
 नलिहासाय॥॥यकमठयय
 यकलिमसुमिकमसुन॥लासाव
 निमिठनन॥डुनकाठन॥वलि॥
 मधुय॥लवनरुय॥मसुन
 रुडा॥वकादियाककननक॥म
 व॥यययानिधुमुमृकिमृकि
 ननिवासिन॥मृष्टिककमकानि
 नमेवकनमसुन॥मगनधादि॥
 मगनगाठयानममुननवाय॥उं
 मसननि॥ययममुलनयदिन
 निमिमवाय॥वकादिमृष्टादि॥म
 कय॥उंकादिग॥मृष्टादियादकं॥
 यलम॥यादिमृष्टाकमृष्टि॥मृष्टा
 दियावानमिनि॥॥थकादिम
 उंकीद्यायुक्ता॥॥यनचदिममु
 धाणीदीप॥मरुमाननियुमिदु॥

थका

मासधुययचकावलामालावयदा
 डाडरिनन॥कवयक॥मउयुजाय
 डाडदकिवावियावल्मियाचक॥
 मालकयक॥मृकवमुगयक॥थ
 गिमाकयविधि॥०॥मृविनीक
 ल॥मलीवमुठ॥मृष्टकलनन॥म
 वलि॥मालजा॥मालकारुलकन
 यावगय॥यधविधिनाकलनम
 न॥जायमगययनधूनक॥थकादि
 नीनवकदिचालामालावसुमिक
 मसुदाडानिमिठन॥वलि॥मृमि
 नारुनका॥यादिनलिमिचयममुल
 मसुगुननवाय॥साकयदवय
 ॥थ॥यनचदिगालीदीद॥मरुमान
 गियनिदु॥मासधुययडाडाला
 मालावकुचिननयावकवाय॥
 लमियाचकमानयाचक॥मृकव
 मुगयक॥थगिवकनिचायासा
 यविधि॥थकलनमथथिन॥॥

मथवाकनचार्थकादिनीनलासा
 लावयकममुयययकलिमसुमि
 कसुदाडानिमिठन॥वलि॥मृमि
 नारुनका॥मसुगुमदकायवाहन
 याइनदमृष्टिकचिलकचिदानन
 य॥थधलनमविच॥उंवसायवि

॥ यमादयितिसनावमरुतिनिन
 यातश्लोकवृद्धकागस्यलाय ॥ ॐ सुमि
 नः ॥ मिमी ॥ ॐ गानात्रमिदु ॥ रुनिनिद्वय
 ॥ ॥ गतवृद्धकानकुरायक ॥ ॐ मरु
 साठि ॥ सनावयागश्रविय ॥ ॐ यजा
 यगन ॥ लवतनतचगैक ॥ ॐ दिनय
 गरु ॥ धकलेश्ललडा ॥ सतनानाय
 ययदनामकुरय ॥ ॐ हृदविश्रु ॥ स्वा
 नविय ॥ चदनाशानीष्टाद ॥ वादा
 वतकुरय ॥ अनितितवाय ॥ ॐ नमः
 गरुवाय ॥ कामानमल ॥ ॐ तववा
 य ॥ मरुआनगियुगिष्टा ॥ मामध
 याय ॥ लामालावरायकजीवमगु
 वधविश्राययक ॥ वाक्कगचा ॥
 ययकलककुरय ॥ गतवृद्धकारुनि
 नितास्यगय ॥ ॐ ॥
 ॥ अथयितिसिनिमिद्वयवृद्धायाचक ॥
 ॐ जाम्बिनिलगुजचगुठयीगगुचा
 डका ॥ लवतनमकुरकालाडाद्वीकन
 कुमगय ॥ धगिमिधुकायमवाय ॥
 थकादिन ॥ ॐ मृडादि ॥ ययरायन ॥
 दवकुरनयथविधाननकलनमर्चन
 ॥ चदमगुलमवालठमचद्वन ॥ यि
 गितिसनवगद ॥ कलनयाववम
 मगुगयाववमनिदि ॥ चिक्रमृदव
 गममिधुमृदचिक्रमगुलियोगक
 कागनयस्यगय ॥ कलनयाडा

वममगुगसमिद्वयमनयातमृदगव
 धमिधुमृदवागयगुलिसिद्वयनव
 मतक ॥ दवदुल्ललचन ॥ वं कियुज
 न ॥ गगवलिवहिद्वानाडनादि ॥ य
 जा ॥ धुयदीयजायकाग ॥ वाक्काध
 दियुजा ॥ अनर्मकल्ययावाययाय
 मतव ॥ वाक्काधनमनिकयद्विक
 य ॥ ॐ ॥ थकादिनीनकन्यालासाला
 वस्वमिकमनन ॥ निर्मर्कन ॥ स्वन
 तनकमगुलमगययर्क ॥ मतरुग
 ठाननिकिसावदकायावमगुन
 लाय ॥ निदिमानखववाहावमया
 कयर्कन ॥ चिक्रमिधुमृदनवाय ॥
 यातकुरनमलालिलिन ॥ चिक्रम
 गुलिविय ॥ मिधुकाय ॥ चदनादि
 मगुगानीष्टाद ॥ मरुआनगियुगि
 ष्टा ॥ ॥ वं कियुय ॥ यदुलिनाय
 ष्टा ॥ दद्विगदार्न ॥ ययवालड
 वन ॥ ॐ ॥ गयविय ॥ कलनारि
 थकचदनायादिसगुगानीष्टाद ॥
 मरुआनगियुगिष्टा ॥ द्वाष्टिवा
 य ॥ कलनमगुगयितिनिकुरय ॥ च
 दमगुलमवाडमिधुविय ॥ मास
 धमृयाचकाडालासालाडायन ॥
 गिमिधुकायविधि ॥ ॥

अथ कथा आकाशं हि या यमोऽना॥
 साक्षलया हाकलया हावनेमसि
 कससा॥ निर्मिक्तनादि॥ मन्त्रता
 चानसमुपयमादयितिनिरुतिनिर्ग
 गवृद्धकागयावत्ताय॥ रुतिनिर्ग
 ॥ लतवृद्धकालयनेसलावत्रिया॥
 शिवकचन्दनाया॥ नीर्वादी॥ वदावन
 कय॥ सरुआनगियगिष्टा॥ मामनव
 दावनकयमाल॥ मामधमृयादाडा
 रुतिनगयावस्वसिकसमान॥ ता
 यवजसमुपध्विनकवक्त्रनचारु
 नीनिर्गवृद्धकाकागायावनय॥ रुति
 वक्त्रनचायारुतिनिर्गयविधि॥

रतगदोऽनामागामनविधि॥ ध्रुव
 न॥ ॐ यथादि॥ यथागजर्न॥ गृन्तम
 स्पर्ज॥ न्यामाद्यययुजा॥ ॐ जामा
 विष्णुमूकथदमासर्तनमः यथ्य॥
 सामान्यनयादाद्यहासाद्यचन्दन
 यथ्यवाधुदनध्वयदीयमृगर्ध्यादि
 ॥ जामायुनगुमलुलकानयन॥ यथा
 द्योगुहीत्वा॥ ॐ यनाब्दुवज्ज
 रतादयामहासना॥ मदासकयुनि
 नायुधनयायायककर्मसो॥ ॐ म
 ध्वकटरमदनयुनिर्गध्वनीगलाग
 यथायविष्णुधर्मिचामिर्गधवा

त्रिणा॥ मध्वानिनामिष्टयगा॥
 धिगायुधिवीचयगध्वानिमल
 यिता॥ यूर्वजन्मकृर्गयायदृक्कृर्ग
 मकृर्गरुवग॥ यूर्वजन्माहिर्गयाय
 मिरुजन्मनियत्कृर्गयत्कृर्गकर्म
 मृगठजन्मजन्माकनयूच॥ कनयू
 कृजलिर्वध्यामयित्वकचगमा॥
 मखलुमधुलुर्गिङासागागुवि
 वृन्त्याग॥ यथ्ययविविधकालजा
 यगविविधकलगासर्वकन्याता
 दववक्त्रुलिचदवता॥ ॥ रुक्म
 यमागना॥ यीगचूर्णनमधुलुलख
 यग॥ गन्धुलध्वानयग॥ गययुजय
 ग॥ ॥ यिधम॥ ॐ बुद्धाय॥ ॐ मृग
 य॥ ॐ यमाय॥ ॐ नेर्मृग्या॥ ॐ व
 नृगय॥ ॐ वायव॥ ॥ ॐ कवना
 य॥ ॐ बुद्धाय॥ ॐ यधम॥ ॐ
 उद्धाय॥ ॥ दधमधुलुम॥ ॐ य
 याय॥ ॐ विजयाय॥ ॐ मृडा
 माय॥ ॐ मृयनाजिताय॥ ॐ य
 जगन्म॥ ॐ मृग्य॥ ॐ मारुग्य॥
 ॥ ॐ मृकव्यय॥ ॥ ॥ धर्त॥ ॐ म
 आयामाय॥ ॐ वामदवगाय॥
 ॥ ॐ मृधानाय॥ ॐ गत्यव्याय
 ॥ ॐ बुद्धाय॥ ॥ ॥ धर्त॥

वविर्जितः॥ वृत्तं कन्या प्रदास्यामि
दवाग्निगुप्तसन्निभे॥ ॥

जामाताय॥ ॐ यदिकन्याय
रक्षयतां दक्षदायविवर्जितां॥
गदाहं प्रणिगृह्णामि दवाग्निगु
प्तसन्निभे॥ ॥

स्वर्गुत्तम॥ ॐ भ्रामन्निधकृता
शस्मिन् सुशीलसुमनोरवः॥
पञ्चरत्नात्मकः सोही दक्षयं
कन्यकामयो॥ ॥

जामाता॥ ॐ उलथाकलशुद्ध
र्थः सुन्यामयिकन्यकां॥ भूव
धम्युनिगृह्णामि दवाग्निगु
प्तसन्निभे॥ ॥

स्वर्गुत्तम॥ ॐ शुभहनिस्तन
कृत् सुधारगकनधमन्वितं॥
गस्मिन्दिनसमावाञ्छ गदि
नविजयीत्वः॥ ॥

सूर्य॥ ॐ भ्रातृ॥
गद्यपति॥ ॐ गद्यमनोत्ता॥
नृपध्वन॥ ॐ नमः शिवा॥
वामुत्त॥ ॐ यामवदरता॥
हनूमन्॥ ॐ तीव्रान्धाया॥
गद्यपति॥ ॐ नृवाता॥ ॐ गद्यमनो॥
पिलिध्वन॥ ॐ नमः शिवा॥
ॐ वात्सल्य॥ ॐ यामवद॥ ॐ समर्थ॥
लीमस्तन॥ नमः शिवा॥
मधिकृमान॥ ॐ ॐ ममवद॥
कृत्तिका॥ ॐ भ्रामन्निधकृता॥
वृत्त॥ ॐ भ्रातृ॥
वैकुण्ठी॥ ॐ विष्णुनाटमसि॥
स्थान॥ ॐ नमो वत्स॥
पंचाग्नि॥ ॐ भ्रामन्निधकृता॥
भूलिमल्लकेशव॥ ॐ ॐ दंवि॥
धनं ॐ ध्वन॥ ॐ नमः शिवा॥
मानलनव॥ ॐ भ्रामन्निधकृता॥
सिखननायध॥ ॐ श्रीशिवदा॥
रुमान॥ ॐ यदस्कंद॥
सिद्धिलक्ष्मी॥ ॐ हिनधवध्व॥
एधीनामध्वन॥ ॐ यामवद॥
गृहलक्ष्मी गद्यमनक॥ धनं
वृत्तायदध्वन॥ ॥



सर्वदयाश्रयमासयाश्रय
नरुग्रकू उपाकर्म ॥ ॥
यशुर्वदयाश्रयपूहिमाकू
कू उपाकर्म ॥ ॥
सामर्वदयाश्रयदमासयाह
सानरुग्रकू उपाकर्म ॥
अथर्वदयाश्रयदशुक्र
यायेवमिकू उपाकर्म ॥ ॥
प्रागसंख्यचनरुग्रा. मध्यकनवि
मरुक. अयनाकूगुयासंख्य. न
विनरुग्रवर्जिता ॥ कालनिराया ॥
कालसंवन्दितासंख्य. सासंख्य
रुलदायिनी ॥ अकालवन्दिता
संख्य. संख्य. वन्ख्य. वद्विद ॥
कालवर्गिकमदायः ॥ ॥

गतः स्वर्गं धर्ममनुलस्य पृथग्
हीत्वा यः ॥ ७ ॥ उं भूमिनामि
जोमोतः स्मयापुष्पानुवर्दिता
॥ कन्यादानं प्रदास्यामि भूयम्
विजयी एव ॥ ॥ भूयवनाद
यादि ॥ भूयादि ॥ समर्प्य ॥
उं कन्यादानं प्रदिगृह्यताम् ॥

जामाता ॥ उं भूवर्धयति गृह्णा
मि ॥ ॥
स्वर्गं धर्ममनुलविसर्ज्जनम् ॥
उं उदयं तमस्व ॥ वाक्चादनादि
दया ॥ यथा ॥ किदहि ॥
भाचम्य ॥ ॥ ॥ ॥

जामाता स्वर्गं धर्ममनुलविसर्ज्जनम् ॥
॥ उं दवस्यन्ता ॥ उं भूविना
वृषजगि ॥ ॥ चन्दनं ॥ उं य
दयक ॥ ॥ सिन्दूर ॥ उं त्वेजवि
ष्टदा ॥ ॥ भाषीर्वाद ॥ उं अ
गवस्तु अगावध ॥ उं अगवस्थ
रुगवो अगावध ॥ गिस
धवध ॥ यगदगुस्थस्थज

गवधः ॥ यगनागधिमिष्टमि
ष्टमध्वगधमध्वगधः ॥ गिग
दनाष्टमध्वगधमध्वगध
कुरग ॥ उं विनाजानामकामध्व
घाः भूदीयमानाः ॥ विनाजाना
भोगगधेदवाः ॥ उं दृका
नामरिचूपाकयः ॥ यथा यथे
नाः ॥ गदावदुगताः ॥ नानमयु
पावर्तगनाथलाकं पृथग् ॥
॥ उवयनाच्युगः ॥ स्थूलहितवाना
धामिभनिह ॥ यथा विनाजाना
माः ॥ उर्वगताः ॥ नानमयुपावर्त
गं च ॥ गत्वा दृष्टादृष्टकाउपे
धायलाकं पृथग्यालिमं प्रयत्नः ॥
गदनाविनाजः कुरगः दृष्टादृ
नाहिविनाजामध्वघाः भूदीयमा
नाः ॥ गिगदनाकामध्वघाः भूदीय
मानाः कुरगः ॥ ॥ द० रुविः ॥ ॥ य
शीर्वादं ॥ स्वर्गं धर्ममनुलविसर्ज्जनम्
विधिः ॥ सूर्यसादि ॥ ॥ ॥

गतः कन्यादानविधिः ॥ वहिः सा

लायजि सत माहाश्री ॥ अमर्तक
ययत् ॥ अमर्तक कथन ॥ ॐ साधू
दानास्तु मन्त्रियमाभारवर्क ॥ ॥
जामला ॥ ॐ मन्त्रय ॥ ॥ अमर्तक विष्णु
नक्षत्रगृहीत्याय ० ग ॥ ॐ विष्णुनाशः
विष्णुनाशितगृहीता ॥

[illegible]

॥ अथ गुरुपूजाय नमः ॥  ॥
 धृष्टकेतुर्वृषासुतः सवर्षा निधाय यत्नः ॥
 उमदाश्च यद्यपि निगृह्यताम् ॥  ॥

जामाया ॥ ॐ सद्यं निघ्नं कानि ॥ ॐ आ य स
यथा शिः सर्वं न कामान्मवायुवन्ति ॥
न त्यक्तं मोति प्राये मनु ॥ ॐ समुद्रवेऽयदि
नामिदं गृह्यानिमघिनं कृति ॥ अत्रिष्ट
स्मार्कटीनामायनासचिमत्यय ॥ २ ॥

चमनीयमाचमनीयमाचमनीयमा
चमनीयमाचमनीयमाचमनीयमा
आचमनीयमा

जामा ॥६॥ आयसनीयं धिति नृकामि
 ॥६॥ आमायां न न्यस्य मासं मृजवच्च
 सां। तमाकन विर्ययजानासधियति
 यनूतामनि नृगनूतां ॥१॥६॥ यस्य नान

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

जासाया ॥ ॐ मधुपुर्क्युतिगुहामि ॥
 जासाया मधुपुर्क्युतिगुहामि ॥ ॐ मि
 गुह्यत्वाचक्षुषाममीश्वर ॥ ॥ तन्मधु
 पुर्क्युतिगुहामि ॥ वा मरुत्तनिधः
 यजुलतर्मिचयत ॥ ॐ द्रवस्यत्वा ॥
 दक्षिणस्यानामिकयागिनोलात
 त ॥ ॐ तमः ॥ आवास्यायानिर्गनेय
 एषाविद्युतकनिष्कामि ॥ ० ॥
 अनामिकाक्षुष्या किञ्चित्कर्म

द्वितीयः ॥२॥ अनामिका मुखे स्थिता
वाग्रातिमन्त्रः ॥ इयं मधुना मधुर्वा
यत्र मधुना मन्त्राद्या ततो ह मधुना

मधुयनयनमनत्रयन्नाशना
यनमासध शानादोमानि॥२॥
धूयकृष्णव्याघ्रिनिसूचप्रतिनय
गु॥ गुरुपित्रायम्ब॥ दक्षिणहस्त
नक्त्यमान्तकृतानित्युत्तम॥ चयुज

सुल्लिखितं वा कृत्वा मन्त्रं वा ॥
 गुरुं वा कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 सु॥ नमिकाया ॥ नमिकाया

॥ उमका मयकनम् ॥ नयनया ॥ कनि
 हा मुखाया ॥ ॥ उंकर्णया ॥ एतमम्
 ॥ कर्णद्वया ॥ ॥ यक्षमुल्लिख ॥ उंवाद्य
 मयलमम् ॥ उन्द्वया ॥ यवकुल्लिख ॥
 उंअनिष्ठा निमम्पनिगनूस्वामसरुम
 रुमम्पमवगणा विव्यूलेगा ॥ ॥

[illegible]

ता॥ ॐ अथ यदयं यदा तिका मेनेव गद्दाः
निर्दयं यमूडा मदिमि नयुथय तिका दाः
कसादात्कसादात्कसादात्कसादा
गांकोमः युगिपुहीगा कामे नरु० तिगई
वता यमू निदिन गितदा क्रुनेदवता या
मतिदिन दिदम्बे जान्दवता ० समिधमा
दीशमाना ध्रु० वृणुयसी रवती दम्बे
सिनना वया दधनि मदीशमाना नवध्रु०
ध्रुणय रवति ध्रु० ब्रह्म वेणुय रवति य
एवं विद्या न्य गिपुक्रा तिगयथा मतिध्रु
क्रया दवमगां रुहा गिता मधीयत ददा
गितमा दधीयता निदिन ॥ ॥ ॐ क्रुव
मि ॥ ॐ अथेव मरियश वाचय गिध्रुव
मिध्रुवार्य यजमाना मिना यत नयुजा या
रुया दिगिबु रिनिगिर्वै र्य कामयत
सामे कामः समुध्रुत ॥ ॥ ध्रुव गीदक्रि
भा विर्य ॥ ॐ नरुत्कन्या दानकृतय गिपु
र्थिहिनधम निदवत गामा गदक्रि गीपु
यमर्ह संयदद ॥ अगुर्नधा दि ॥ ॥ जाम
गदक्रि गीपु वध्रुजयित्वा ॥ ॐ अगुर्नलिप्त
नावृय ॥ ॐ अगुर्नलिप्त नावृय रतनीमा ०
लेन्या गिबुया दानदरुर्व निदादल मासा
० र्वत्तमममममना गिथ्यावाना गिथ्याव
यस्यमाणा गवनेव गद्दिना गामा न
दा ० मि ॥ ॥ जामा गध्रु मरिध्रु ॥ ॐ द
वम्यत्वा ॥ ॐ बाला रवति गतवाक्र ०
रिथिव गिबुक्र वेयना सोवक्र ० वेन
मदेतद रिथिव गि यध्रु ककल्या सुहा

[illegible]

३१

धनदयः। षष्ठ्याया हृगद्यामात्रिजन्म
वैश्वसतं दक्षक देव्यापुतासीत्याह

[illegible]

क्रमद्वयममूढनाथवाच्यहृन्नाम्ना
यन्मयउदयानकायकमाला॥यन्
वयादानमर्थकादिनीतलमास्यला
मालावकुसुमसमानगतक॥सागु॥
धनलिखामिकासनयाचकाडावा
सहयानमाकथगविय॥वधुजामा
तायादियाग॥धुनयकाकहयास
मुजवियक॥नादियागवियकय
या॥यन्मयामयुजवियथकादिनी
न॥॥नरितयासमुजधनिसहका
जन॥आगतमालकागयाव॥वाक
लानसुसिवाजनय॥०॥ययकल
ककाय॥वाकगयुजा॥वाक॥उंय
मानस्यानामकस्यसमवलंगजाग
सहकाजनमिथर्थ॥यजमानाणी
वीद॥धनिसवलंगजागविधि॥॥

धनमनिकूकहवयाथमालागाला
याय॥सहकाजनकलकयर्थकधूनक

रूपययुधीकर्मयाय॥तगदोयवाक
कला॥थकादिन॥॥यन्मयकलनिधी
कर्मयाय॥अचम्या॥उंययादि॥उंयज
मानस्यविवाहाइलययुधीकर्मवधु
कलवधनसिधुनावाहननिमिथर्थ
राय॥॥यथाविधिमकुलकलना

धन॥वक्रादलनसमुजमदकया
सथाकायामकयवमु॥वलियुज
गमगमादवहिद्यानाझादिसुसुव
धनयुजान॥धुयदीयसागुयथनैद
लाननार्थयदासाधनी॥चनसाधनी॥

माधुस्वलीचनस्वलीमयुदगी॥
युगयदी॥समाहुन॥आथस्वलीमिथ
निधाय॥यन्मय॥उंयन्यममि॥उं
कूठामि॥कूठन॥उंयवद्विनि॥इला
मनय॥उंयनायुग॥यथादत॥उं
वमविनि॥दवगदिदत॥कगव
लिमग॥उंयवाहुला॥ततामिमक
य॥उंमयहगनि॥मयकुलगीवग॥
यकादगममिधहाम॥अजियाताम
॥लिखितामानय॥स्वाहा॥॥युवाद्या
नउरुनाद्यातन॥वकाकनियेययान
गकी॥उंयजायतयस्वाहा॥अनिकु
याहुवममलिमिलासलखन॥थयान॥
उंकयालायस्वाहा॥उंअन॥वाययि
लदवानायाययि॥नसिवाकगस्वाना
थकामडयधवासियास्ययनिधीन
कामस्येनालयस्वाहा॥उंदमनययाय
यिकाय॥उंवायायाययि॥लदवा
नयाययि॥नसिवाकगस्वानाथका
मडयधकामसियास्यययुधीन
कामस्येनालयस्वाहा॥उंदसूयाय
याययिकाय॥उंयद॥वाययि॥

त्वंदवानां यायश्चिरु नमिवाक्षय
 स्तानाथनामडयधामियास्यगुरुध
 ननूस्मामस्येनालयस्वाहा ॥ॐ दं
 नमस्येयायश्चिरु य ॥ॐ नमश्चैव्याय
 चिरु त्वंदवानां यायश्चिरु नमिवा
 क्षयस्तानाथनामडयधामिवाया
 स्ययन्मध्वीननूस्मामस्येनालय
 स्वाहा ॥ॐ दं नमश्चैव्याययायश्चिरु
 य ॥ॐ यजायनथस्वाहा ॥ॐ दं य
 जायनथ ॥ॐ वक्रादिसकलसंघ
 गाद्रुमिदिय ॥ॐ गाद्रुमियूय ॥
 गतासिलाद्रुमिदुगाद्रुमिदुम ॥
 समिधमहवक्रादिस्यूतागिलाद्रु
 मियूय ॥ॐ समजधूनक ॥

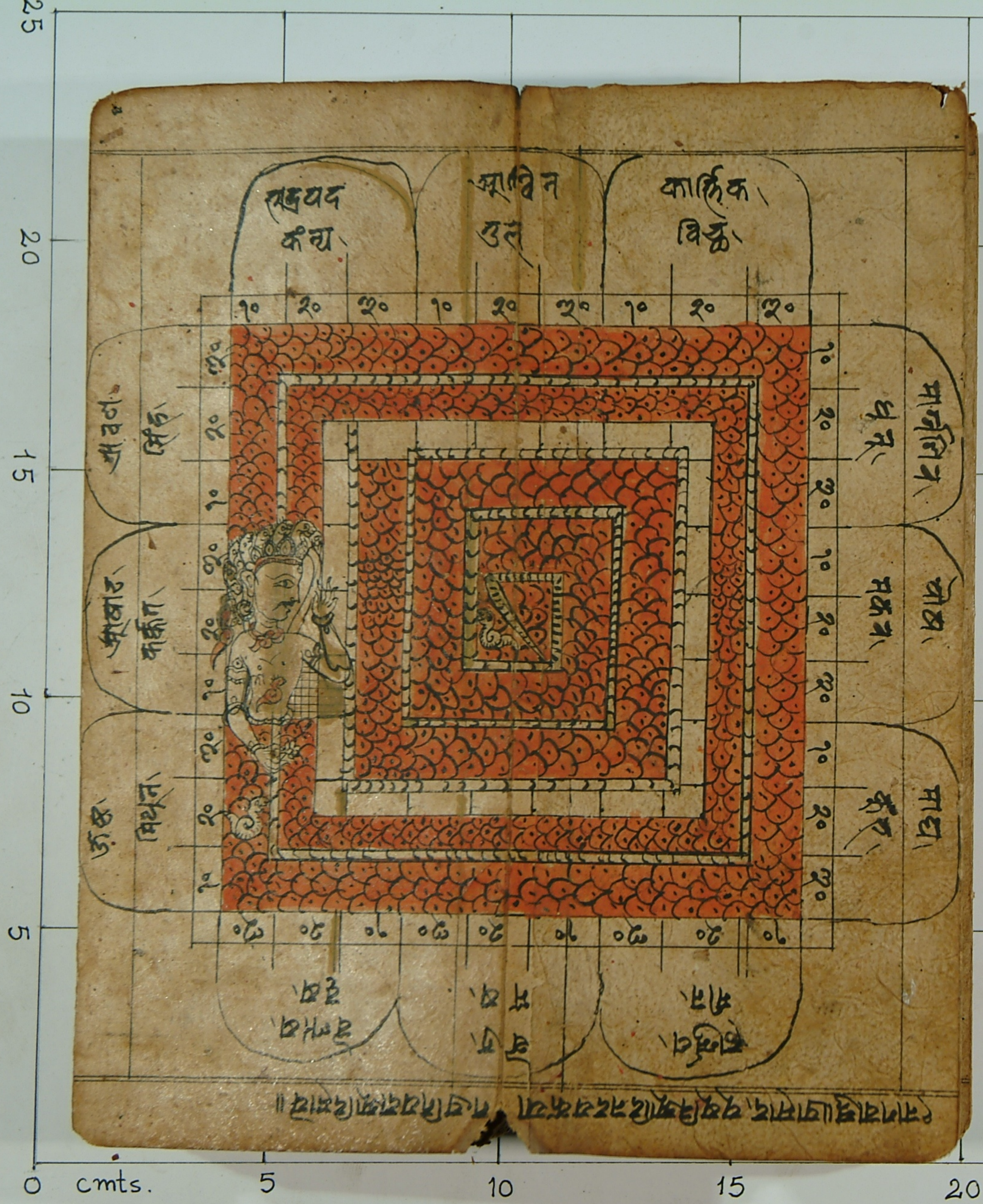
मूकद्वीनिसूवीदटी ॥ मूर्धन्यगलंघ
नहाय ॥ मिथुमूढताय ॥ यातलीयाम
कृय ॥ मिथुकृययूनवटा ॥ वाजाता
नतावेवमुवकादिसुगना ॥ थकदि
वकादिसुविअ ॥ ॐ मिन्दुनावाहन
सूमूढकेसमु ॥ ॐ त्वं जविष्टदा ॥ मि
द्वनमर्वमिष्टार्थनिवसाधार्थतत्त्वया
स्वामिनादोर्धमाययूगयोगादिव
र्धनं ॥ चन्दनाद्यानीर्वाहं ॥ मिथुमूढ
नाय ॥ ॐ ग्रीष्म ॥ युनिष्टा ॥ ॥ वध
लासावावचुनितस्वस्तिकसस्वने
॥ चन्द्रायाननयाचक ॥ यूनववदि
यावकला ॥ मन्त्र ॥ ॐ प्राडांस्तुप्राज्जत्स
दधामिस्तुस्तिवस्तिमिता० मेर्मा० मा
नित्वावाचयमिति ॥ ॐ स्वस्तिनामिमी
ता ॥ ययकलकिसकृय ॥ ॐ ॥

तन० संख्या क्रमि ॥ लक्षिक यो द्विक ॥ वा
 म्म जगत् ॥ वधू हृदया ली र्गन ॥ उं य
 क्ख सी निम हृदयी दि वि च न्दु म सिन
 । वंदा र्गन द्विष्टा ल्य ल्प म ० ल न द ० ल
 र्ग ज ० व म ल न द ० ल न ० लृ व्वा म लृ व्वा
 म म ल न द ० ल र्ग ॥ य न्न धा न्या दि ॥
 ध न मा म धि दाय ॥ व लियू ज न ॥ दी व
 र्ग किका र्ग म ॥ या य भिरु र्ग म ॥ व
 ल र्ग न ॥ द कि र्ग दान ॥ ॥ तन०
 र्ग वृत्ति क्रमि ॥ उं द वा ग म य ॥ उं म

0 5 10 15 20 25 cmts.

रलिनाइनेएभेकुम्भेकलागन, लालभायाक्रवयके॥थकुनविभेहयासुगुनकन
गनराप्रभाओगविउ॥कनागनराप्रभाथकुनविभेहयासुगुलधवि, मकन
धनिरवजिधनसारेवलदिडादेराप्रभाभेके॥धुननिभासिचकाव॥
कनागनक्रकेविनमओखयाव, भवेसुखानुव॥शालमकयेके॥
धनलि, सभेलेनमओखयाव॥धननि, थकादिनीनरालगायागुन
यावभुनइवालेनइकाये॥॥धननि, ७दयकावेभेकेसहगजेन
सुगुलविउ॥भेके॥॥नाद्यासामदिमि७दयकावेभेकेसहगजेन
ओवके॥॥भासिचके॥पुहिगयागदक्षिणविउ॥॥मभइनेसथ
ठावथवकुण्डन॥यनकिसेभवे॥॥धननिनिकाइन॥०॥

7



युष्माकानां सर्वसुतः ॥

वरुमधिमालका। अर्द्धांश ३०। युक्त
विजो १३ त्रिभुजा साइड का २ नमा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

एषश्चैकङ्कजवाक्कयायङ्कमथ ॥ एमथसर्ववाक्येन ॥ यथक्कर्मसथङ्कज ॥ यच्चैयध्वनकाडवव
 दाध्वन ॥ ॥ इमयायममाल ॥ ॥ वसन्धनायाद्वादादिवम ॥ यङ्कगगयमाल ॥ ॥ ॥
 यालालारविनसाकामानीधूजाकुयमाल ॥ मविनसाकोमानीधूजाकुयममाल ॥ ॥ इमनि
 रूकुरु ॥

[illegible]

कूक्कनतननिनकयागस्थ
थयवियजाकिरुं४ ॥
दनुत्रियाकल्लकाककवा
हिकमलविचियमइ॥ ॥
क्रमगडावकल्लागका
ववियचाळूगकमइ॥ ॥

॥ १ ॥
 तव वा. स ग व य नू यो यो ग १
 मि सा या स ग व यो ग १ ग न वृ
 द को अ नि रु छि क भे ला गु
 वृ ना म गु व य व द क स ग व य
 न १ ध मि डू न ॥ ॥ व त म धि
 रू य व व के रू ३५ ॥ ० ॥

बुद्धाध्याने॥ उं उं उं बुद्धाध्याने॥
 निजयवनयने बुद्धाध्याने॥
 दवानोऽष्टरुगं सनसिजनयने॥
 नाजहंसासनस्थी॥ चथात्पुलाज
 वदनं पुजवने च पुने च दमोला
 जयने॥ सद्धदवदवहकं द्विज
 गधसकलं चिकयत्वां द्विजं
 म॥ ॥ गिबुद्धाध्याने॥ ॥

25
20
15
10
5
0

cmts.

5

10

15

20

25

30

35

१७७३

ॐ वक्राजतमः॥ दलक्रियावि
 धनं लिख्यतां गुरुधनं यत्नवर्ध
 नीमकानयनं तथा चूडावर्णवि
 त्वाहृष्टाकाः ॥ दलक्रियाः ॥
 ॥ गंगागुरुधनं वक्राणि ॥
 वाधवक्रावक्रा यथावतीमातः
 द्रुयकाः ॥ धकादिनीतसुगुणवि
 यकः ॥ म्यालमचक सिद्धिनाम
 ता ॥ निधिसात्रमूलद्रवात्मस
 खयगियास्यगया ॥ वाक्रावक्र
 शनसाकालमाशुगुलि ॥ दलिया
 शनसाधुक्रुगुलिमूलद्रवात्मस
 यिसात्रवतायखसयगियास्यति
 ॥ क्रसकनद्रुससखास्यगया ॥ वध
 सूर्यमशोचकः ॥ वृद्धवगायाक
 र्मायक्रुय ॥ धवराकगकणयक्रु
 दूगवियकः ॥ वकनः ॥ खक्रुक्रुथव
 क्रुतविभक्त्यासुगुणार्थकादिनी
 तवियकः ॥ याक्रुक्रुययवतीम
 धमालक्रुयकः ॥ गवक्रुतनिय
 कः ॥ अग्निकवुदनी ॥ धकादिस्यन
 वदकयाय ॥ वाक्रावक्रुयकाल
 नगताउरगावधान ॥ दलकि

नवलिरुजावनादिमालकानिया
 यचलनकोमानीतया ॥ सुगुणस
 दंक्रुयगियाससद्विनासिय
 ॥ वठसिथाल ॥ कलव ॥ चसावला
 ॥ दलककयी ॥ अकाककयी ॥ व
 लंगगहल ॥ लसथता ॥ गजलसा
 ला ॥ ककालक ॥ यानक ॥ द्वाकाल
 खान ॥ अकत ॥ ममगुलयासिद्धि
 लंद ॥ मवक्रुलक्रुयानलंद ॥ धाने
 सुगुणसदक्रुयगिया ॥ वधमगुल
 रासकलनगयमाल ॥ क्रुयसि
 धर्मगया ॥ यनधकाकलदिकर्म
 याया ॥ यथायथाविधिमकुणक
 लनधनी ॥ कलनती ॥ धदकनध
 न ॥ अंतवाया ॥ मिवक्रुणातिमध
 दानाधनय ॥ १०७ ॥ ॐ वक्रावक्रुय
 यतिमूर्कयवृद्धमासनं शूर्यश
 ॐ वक्रुयक्रुन ॥ क्रुय ॥ यीनयीनी
 चक्रुवक्रुवक्रुनचक्रुनाननी ॥ र
 मयाउतसमावृत्तमेवक्रुननभा
 मुन ॥ ॐ वक्रुवक्रुययतिमूर्कय
 नतमर्वविधियनियुक्तमसु ॥ ॐ क्रु
 कललयावृद्धमासनं शूर्यश ॥

वक्रकालनयाजवलिधनगया
 वधयाजवननधनका॥धवाय
 श॥युक्तमनउतयुक्तमधिया
 धियाधियस्यवृहस्यनिधियध
 नहाविहगादधधयुनाविदक
 नमहाददसविद्युयनिमुनिस्वा
 हा॥धवायश॥उं॥धविषु॥
 उं॥सामायश॥उं॥नातीधनमती
 हिरुत॥सूयवसितीमनवदनास्य
 यस्कनावादसीविषुवतदाधक
 कयुधिदीमरितामयुखेखाहा॥
 उं॥महा॥उं॥दवपुनोदवखाधाष
 नीयावीधनमधनकल्ययनी॥उ
 धीयकूनयतमाजिह्वनर्खगम
 हमावदतदवीदुर्थमायुमीनि
 धीनिहोदिह्यजातिनिहोदिह्यम
 गनमधविनिर्मम्यधिया॥उं॥अनि
 लायनमहा॥उं॥विष्णुनर्कवीयाति
 यवार्यय॥धियाधिविममफडा॥
 सायासकलायदकन॥सधस्क
 विचकमा॥कधनमयाधिवि
 वता॥उं॥मनलाय॥उं॥दिवावा
 विष्णुउतवांमहावाविष्णुउतनीन

वृधिया

निहानाउरुहिरुकावसनीयदस्य
 पयस्वदकि॥मदानमयाधिविषु
 ता॥उं॥ययुसायनम॥उं॥यतद्विषु
 सुवनदीयेनम॥नतीमकुचनी
 निविषु॥सस्यानयुगिधिविकम
 यधिविधियनिधुवनानिविषु॥उं
 यरासायश॥उं॥विष्णुवनाटमसिधि
 ध्या॥प्रक॥विष्णु॥स्यनमिधिविष्णु
 वासिविष्णुवमसिधिविष्णुवता॥॥उं॥
 वक्रकालनम॥उं॥वक्रयकान॥उं॥म
 वक्रन॥उं॥वक्रायतनवदतान्य
 न्याविष्णुपुयाधियनितावरुवाय
 कमासुसुमसुनासुसुवय॥
 स्यामयतयानयीनी॥॥गहना
 कयालादि॥उं॥तातनमिह्वनि॥
 ॥॥मधकमादि॥उं॥वाक॥म
 धितन॥॥सुयुता॥॥दधिन॥उं॥
 उं॥वृक्षमयजा॥यजा॥रिया॥सुवीवावी
 गामयाययाखे॥वर्तनतया॥उं॥
 मस्वक्त्यानिधदनीयुत्तयानंधय
 सतवधयुवर्ष॥कूनवाया॥उं॥यवि
 उं॥वावेवृक्षोमविउवृक्षयसद उत्य
 नमिधिविदवायविउतासुर्थयगनि
 रि॥॥ककलकाया॥उं॥नकाहनव

वसतिकियाजातजुर्किलासथः

॥ यनः प्रकलनवाले खर निहाय ॥
 मूयार्धयाचक ॥ कागालमर्लखनय
 वक्रसकनममर्धविय ॥ नखससाद
 इलखचदनादनययलनयनकस
 ॥ थवधनजानक ॥ यृषीरिमूख ॥ यन
 यनयउय ॥ उंमयवालाहल्यनि ॥ उं
 मयादि ॥ यजामानस्यनि ॥ दमर्धगृ
 हानस्वाहा ॥ उंमदि ॥ यगर्धययसास
 मनिमरुयययनिमा ॥ यिष्वयूययवि
 वृद्धिरुमामा ॥ रिम ॥ स्त ॥ नतायूखैक
 वृद्धिरीयमान ॥ नखयूजा ॥ सूर्य
 कयकाययानयूजा ॥ श्रीसूर्याय
 दमासमर् ॥ यववाकन ॥ यनय
 यधूयदीयनेवधधविवा ॥ साग ॥
 उंयवाकस ॥ मर्लकार्म ॥ अगर्धदि
 ॥ कागालमयादलखनयनयनम
 रिधकविय ॥ उंस्वस्तिन ॥ ॐ ॥ सा
 नीर्धद ॥ उं श्रीगुगलद्री ॥ ल ॥ पूना
 हितनकाय ॥

धनानस्यमिसाधकादिद्वयनवधला
 सालावर्लखधधयावरुययकसिहा
 सनसगय ॥ स्त ॥ कस ॥ यनयनक
 नधियावगितनमसाधनयायक ॥
 वीरुमनि ॥ उंस्वस्वाहा ॥ धृगनपूवा

॥ उं वक्ररुर्न ॥ वधुवर्लगलनका
 वक्रवानवाय ॥ ॥ यन ॥ ॥ स्त ॥ स्वाहा
 ॥ उं ॥ दत्रिक ॥ उथुवाय ॥ यन ॥ उं
 स्वस्वाहा ॥ उं नम ॥ रितवाय ॥ ॥ म
 धियायादकनकाय ॥ मययीन ॥ ग
 र्ध ॥ नधनी ॥ यवलातधियाव ॥ उंम
 रिमूर्ननरिमूर्न ॥ उंयवारुग ॥ मवि
 तामददायुव ॥ कल्ययनाती ॥ रिस्त
 लाम ॥ लव्वायूया ॥ रिम ॥ स्त ॥ उतारुका
 येनानवादशानु ॥ ॥ तारि ॥ नधनी
 ॥ उं ग ॥ ददिलिनीवालीगर्धदहि
 यथयुक ॥ ग ॥ क ॥ म ॥ नि ॥ दवावाध
 र्कायकनमजी ॥ उं न ॥ क ॥ म ॥ य ॥ य ॥ नाथ
 नसय ॥ न ॥ य ॥ न ॥ नायन ॥ म ॥ य ॥ य ॥ य ॥ न
 कार्यगर्धमादहिन ॥ य ॥ मान ॥ ॥
 वसाय ॥ म ॥ सा ॥ म ॥ साय ॥ ना ॥ रि ॥ वा ॥ सा
 धयत ॥ उं न ॥ ता ॥ मि ॥ गु ॥ वि ॥ उ ॥ हा ॥ ति ॥ ना
 निवदिगदिद्विर्ध ॥ ग ॥ क ॥ जि ॥ ना ॥ य ॥ र्ध
 यत ॥ उ ॥ ल्वा ॥ हा ॥ ति ॥ उ ॥ न ॥ मा ॥ ॥ ॥ थि
 कादिनीनमगर्धता ॥ उ ॥ वा ॥ न ॥ ला ॥ य
 ॥ स ॥ गु ॥ न ॥ द ॥ क ॥ र ॥ न ॥ ला ॥ य ॥ ॥ उं ॥ स्त ॥ स्ति
 निनामिमीता ॥ ॥ य ॥ न ॥ य ॥ न ॥ व ॥ क ॥ ना
 दिविय ॥ उं व ॥ सा ॥ य ॥ वि ॥ गु ॥ म ॥ सि ॥

काम ॥ वायुपिकादि ॥ वलिकुर्व
 ॥ दक्षिणवर्त ॥ संप्रवर्षासनी ॥
 समिधियान ॥ अत्रिपुत्रमरिथकय
 नीतायकन ॥ यूष्म ॥ उंदवागभु ॥ उं
 आशाया ॥ ॥ जामसा ॥ जाय ॥ मधु
 लका ॥ उकापणीगविसर्जनी ॥ व
 काकनरुन ॥ उकाकनपणीता
 रिथक ॥ उं समिधियान ॥ उं मनुया
 ॥ ॥ कलनामिथक ॥ यदन सिद्ध
 समुनीनीर्वाद ॥ सरुमावमिधुमिध
 ॥ गवययादिस्वस्ताननथरा ॥ उं य
 रुयक ॥ यकविसर्जन ॥ सामधिध
 सामधिकाय ॥ मूर्यनक्षिधय ॥ धन
 वाधवमयियनखनवाधवय ॥
 समुनधविचयनधियावसंधा
 लीनान ॥ धयासमधिम धसा
 माधिसज्जकगदनममाल ॥ मा
 मधियचित्रनाजकलकाय ॥
 निगहीधनविधि ॥ ॥ ॥ ॥

यूनमथयुवर्ण ॥ मूलधामान
 विधि ॥ मासधितायन ॥ अथ
 मवाकार्य ॥ यथायूनवस ॥ मृग

निव ॥ रुम ॥ मूल ॥ प्रवर्णनिधुन
 मनकणलिपुक्रुलुदिन ॥ ॥ मूर्य
 मूषवावनरिदथायसायावपुति
 लखकायावरु ॥ यूनमथयुवर्णी
 कादिधिकादिनीस्तानयाय ॥ धका
 दिनथावदकयाय ॥ वाक ॥ उं यडा
 मतिमयवधयुवर्णवर्णमदलमास्युद
 कयवादकवृद्धिपुद्धकवृद्धि ॥
 ॥ ॥ कूसायथाकूमवीधक ॥ नक
 वा युकाववा ॥ धासंगयकाव ॥ कास
 खायानपरायाकावतय ॥ जय
 माला ॥ नकिधधिरुमस ॥ वनम
 रयकाथसा ॥ नकवमनचुगयका
 का ॥ रुसिला ॥ धनडनि ॥ ॥ वीन
 मलावीन ॥ लाडनि ॥ कायत्य
 नयव ॥ नाजहंस ॥ नायव ॥
 वासिडा ॥ वाक ॥ चनखुनि ॥ ना
 वृवनाईवन ॥ नयडा ॥ खा ॥
 झाक ॥ सिला ॥ ॥ ॥ ॥ नामला
 रुडला ॥ गुरुमाटसमाकीर्णय
 लायवीतययनय ॥ यवाकवा
 यालथन ॥ सगर्हसगय ॥ मना

वसथं वा वसंता ॥ ६ ॥ धाम्ना ॥ समस्त
 स ॥ कलस ॥ नारायणस ॥ स्वाय ॥
 रुनस ॥ ॥ लश्वानध ॥ शायवरा
 मनयालश्व ॥ मासलश्व ॥ मास
 ललश्व ॥ ठवालश्व ॥ मगलश्व
 वा ॥ धनिमधिता ॥ ७ ॥ सुवर्णदक्षि
 णा ॥ दानवियकूट्याता ॥ यीतयु
 र्णीदिमालका ॥ पूजायहानयाता ॥
 क्रादुमकनयसलिव ॥ नकचद
 ननयकूपवीतययमालुका ॥ धू
 न ॥ क्रादुमकनय ॥ थकन ॥ नाय ॥
 सपुननवि विमहयसा ॥ थकादि
 नीन ॥ थखालस्वस विधिधुक्मा
 लथालभायमाल ॥ दकायाचक
 मानकलसमथाद जाक थानक
 ॥ दयथो ॥ पुचिवमनयविधाय
 ॥ ॥ पुचोदलयीतयुनद्वद
 नयग ॥ १२ ॥ यदलित्वा ॥ अद्वयम
 ययुर्धुक्त्वा ॥ ययुर्धुर्धुक्त्वागय
 कमानकलन ॥ १३ ॥ यथ ॥ दानम
 गणयतिक्कयतालसपुनमालका
 तय ॥ यचलद्वगनसाचकन ॥
 यजमाननपुर्वादिमर्खकृत्वायु

वि३

३ क्रादुसंयतासिक्कादुसंभासुगलिक सुयतचवृत्तदयक १३

जय ॥
 थकादिनीनवधूलासावरुय ॥ स्व
 मिकसययययाखवसर्वसाचक
 ॥ निमिर्कन ॥ ३ ॥ नद्वारुन ॥ वलि ॥ ३
 मध्या ॥ कलखलकावगय ॥
 थखालस्वसवाचनय ॥ म्नीयन
 थंनकुमानसयुन ॥ यथविधान
 न ॥ ॥ भासिना ॥ ३ ॥ मयादि ॥ ३ ॥ वधुय
 णवरागद्वलकुमानकवल्मध्वनति
 मित्यर्थकर्तुर्णीसूर्यायमर्धशय्य
 ॥ यथराजनी ॥ पुननमकन ॥ न्यासाद्य
 याययुजा ॥ जलमयुजा ॥ नराकमाल
 कलन ॥ नधन ॥ म्मुगयाकर्ण ॥
 ३ ॥ यथादया म्मुययुन ॥ धूयक ॥
 ३ ॥ यथादया दमुययुन ॥ अद्वय
 नगाठन ॥ ३ ॥ नममनद्वमन्याय ॥ ३
 धीमहीतिकवचायक ॥ अमेकव
 थनावगुठन ॥ धनमुददिलथत
 ॥ द्वाकालखानलगकसगया ॥ कन
 नकीयनयन ॥ कवलखव ॥ ३ ॥ क
 मानायनकि सहितायलीममय
 योत्वा ॥ १४ ॥ यवर्णीनित्यर्थ ॥ ३ ॥
 गक ॥ ३ ॥ नित्यर्थ ॥ ३ ॥ कयायय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

धियगय ॥ दधिग ॥ ॐ धमकमुचि
कलाधियगय ॥ ॐ धम ॥ ॐ लम्बा
दवायनमन्त्राधियगय ॥ ॐ धम
वउदीयवउदीय ॥ ॥ पूर्वदिवा
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
य ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
कवनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
म ॥ ॐ धम ॥ ॥ चउधुन ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
गुनधनम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
॥ वा ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
धयपन ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
य ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
दि ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
निम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
माय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
विधमखाय ॥ ॐ धम
दिदधनय ॥ ॐ धम
ॐ धम ॥ ॐ धम
य ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
कय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
मनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
किमनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम

ॐ कमानाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
गुहाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
महिनाय ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
दियादिनवगुहाय ॥ ॐ धम
दादलनालिखा ॥ ॐ धम
गिधिया ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
जा ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
गलागलाय ॥ ॐ धम
स्यगमिगुग ॥ ॐ धम
॥ मगु ॥ ॐ धम
सचिन्तावि ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
काया ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
लनी ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
ल्यम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
मानो ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
यायना ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
मयविद्याधिया ॥ ॐ धम
मूर्जयजमानाय ॥ ॐ धम
॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
दानादि ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
स्वस्तिन ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम
ॐ धम ॥ ॐ धम ॥ ॐ धम

निरुक्तम ॥ यमिष्टा ॥ ॐ मनाहति ॥
 ॥ नतश्च यवयव कतिश्चलः
 नमथदाडिद्याडिह्यागुलिजाक
 सुखामन ३ धनकमानकलनमथ
 न ॥ यद ॥ ॐ या १ रुलनी ॥ कतन ॥ ॐ
 रुलाडीनकसुगेष्वनकसकामचन्द
 ने १ गुडादकेष्वगेष्वनेवेद्यवलिपु
 डयत ॥ ॐ यउमाउक रुल्ययगा
 मूलवृयदीयकक ॥ यगजानमया
 चिकामुत्रयङ्कमानक ॥ ॐ नि
 रुयणी ॥ ॐ कमानायमगयविवाय
 यगस्त्राननकचन्दनसिद्धनराकत
 ययध्वयदीयनेवेद्यादिसर्धनम ॥
 ॐ कमानायनम ॥ ॐ निमकुणजा
 य ॥ ॥ मगुलसक ॥ नकाक
 नजायति ॥ ॐ यमनागयति १ मो
 म्य १ वकामाल्यानयन १ मवालावा
 रुवृयायययुक १ लिखिवारुन १ ॥ य
 १ रुम्वदन १ पीमान्जिलिखालकि
 मयग १ ॥ कृत्तिकावक्रिन्डा १ सम
 रुत १ मनाचिन्ता १ ॥ वालवृद्धासदाय
 नागुठनगुलसयुत १ ॥ यवमानाधि
 ना १ १ रुकागहयी १ यथाहउ ॥

ॐ यमजानारविश्वसर्वदायवि
 वरुिग १ मालकासमुनियाय ॥ ॐ
 वायाहयायकमाहयायात्माया
 यमरुव १ गहिमादयदयनमथः
 यायहवा १ रुव १ ॐ येमानयत्ना १ य
 सव १ रुह १ नमगर्ध्वादि ॥ ॥ यतिदि
 र्थमाला ॥ कमानकलनयुजा ॥ ॥ नी
 मकामयनना ॥ ॥ यद्यादिगुननमर्क
 वयासादिकामयुजायाकावहवा
 र्थनादिथलना ॥ नित्यं १ ॥ ॥ नता
 वाकगयुजा ॥ ॥ रुदमासन ॥ रुका
 र्थ १ रुदमययध्वयदीया ॥ ॥ नम
 कल्या ॥ ॥ मगर्ध्वादि ॥ ॥
 कमानकलनयाहवन ॥ ॥ लिखा
 ल ॥ ॥ कृणर्धवा ॥ ॥ गुनिलख ॥ ॥ लाहमा
 लाया ॥ युजायाय ॥ ॥ कतन ॥ ॥ ॐ निर्व
 यश ॥ ॐ उमाय १ ॥ ॐ नम १ १ रुवाय
 ॥ ॐ १ रुमधिक ॥ ॥ रुवमवलिखा ॥
 ॐ नम १ १ रुवाय ॥ ॥ खवसकल ॥
 ॐ १ रुदविमृ १ ॥ ॥ दधुसपुनिलिखा ॥ ॐ
 वक्रयकूर्त ॥ ॥ लाहामास ॥ ॥ सुतिल
 खगयावउलसिथालहिया ॥ ॥ पुन
 य १ १ रुल १ ॥ ॥ वावालाहिया ॥ ॥ ॐ

स्तिनामिमीताय १० न ॥ ७९ ॥

यत्त्वमाजानमग्र ॥ वधयाम्
 र्कमधिस्थितय ॥ मन्त्र ॥ उं मयि धूमि
 गन्तुमिच्छुः कुनिनामयययद्वृष्ट
 उधनययकोसामात्माकुन्दाभिम
 स्तानिमासतदग्रयद्वायस्त्रियवर्क
 धृष्ट्यामरु ॥ मयि धूमिगन्तुमिच्छुः
 र्कगच्छस्यता ॥ अयं नि कुनिमन्त्र
 ॥ ॥ उं यद्वर्कमयि धूमिगन्तुमिच्छुः
 नविष्णुकमस्य ॥ ॥ यन्त्रधूमः
 ध्यायकनवधूमिगन्तुमिच्छुः ॥ उं र्कज
 विष्णुदामखात्रायाः कियन्धूमिगन्तुमिच्छुः
 नलक्षाताकमदन्मनात् ॥ ॥ त
 तः कमानकलनयउत्तनयुजा
 ॥ कतने ॥ उं दद्यात्तथादि ॥
 दम्यहो कनजालिवध्यायार्थना
 य ॥ ॥ उं यज्जु कनकद्वर्गनि
 र्मलं किद्वर्गगगनगलविद्या
 नयस्य काल्यामयुनः सकनयु
 वनना ॥ अदवदवः कमानः
 लनवनरुवगमकृत्तिकासा
 गिजातः ॥ उं नमः तस्मै कमान
 नायस्कन्दाय नकिध्यात्रि
 मयुनवनवाहाय विष्णुमाय

नमासुत ॥ उंयसादेकनूमदवय
 पुयोगादिवर्द्धनं लक्ष्मीसोराय
 सकार्त्तधनधन्यप्रवर्द्धनं ॥ उं
 नमस्समेकमानायय कान्तये
 वराधितं दिशारनगरस्वोय
 विन्मखायनमासुत ॥ उं सासा
 सशयतवद्विः सासनिः सेवरा
 ता ॥ महाधाताहन्मः योयाह
 लीरवगिर्य ॥ उं अस्मत्पुजा
 नकामनार्थकमानाश्चनविधो
 मृगर्धययधूयदीयनवशाश्च
 नतस्मद्विधियविद्युर्गुममु ॥
 तगावाक्मज्जदिकिणोदार्त्त ॥
 अगर्धधादि ॥ तगावाक्मज्जिनवा
 चनगृध्र वाचनजालताहिथ
 कं ॥ चन्दनसिद्धनसमुपलनीधि
 द ॥ उं वक्रागस्यत ॥ उं यगुवाग
 ॥ धकादिनीनवधुमरुलय ॥
 उं याः रुलनी ॥ मानगि ॥ उं गजा
 निन्नुक्रम ॥ गायनहाला ॥ उं म
 नाहृति ॥ इरवारिखावाचकनर्क
 य ॥ दयस्योसृथजाययक ॥ द
 किवियद्वानस ॥ दम्यस्योसगुण
 धनिचयधिचक ॥ तगावाक्मज्ज
 वाक्मज्जजान ॥ दम्यस्योकुमा

नकलनदिधुजायायमाल
 ॥ नक्कसर्त क्रानिक्कानि यवाक
 खद्यालध्वानकुमानकलन
 सर्थनमाल ॥ क्रिथ ॥ चालाला
 खनद्यावायदनकतीनरुना ॥
 यावत्कुमानपूजार्थविधिगाव
 न्तर्लघयतानदीतनगमान्तव
 हूनकमीनकानयत ॥ ॥ ॥
 गियस्सवनविधिसमाक ॥ ॥

अथ ॥ सीमनानयनविधिर्वक् ॥
 यथामर्कमासंयष्टमवा पुनरिदम
 वाक्मज्जदिस्त्रान्कृत्वा ॥ अग्निर्कृज
 दन ॥ वक्तायाल्यखनकलनगन ॥
 थयाखवमजवसमृष्टकलन
 ग ॥ सादृशीर्थलखधन ॥ ॥ उं
 लीययवृथवलाजारुलप्रिय
 गुकोस्तार्त्तलादकं यनीमकी
 नयनेविधो ॥ उं ललाययखा
 नागय मवन प्रियगु धकाता
 रुलोदक ॥ थरुलोदकानक
 लस्यति ॥ गकुमा दिवीहितक
 लस्यति ॥ चयपल्लव राजप्रला
 यठहला ॥ कलस्यति ॥ थम
 हवसकलसन वक्ताकलनया

जवदालिधनकायका
नाननधनक॥धयाजवसेम
पुनसग॥कलवमुमिदुन
ल॥नोलियतासि॥यनिमध
नेतासर्वयान्यातसजीवसा
दिअष्टमंगलत्राय॥नमो
वनन॥यनिमयान्यातस
अष्टमंगलदुर्गखचकन
दायद्यथाय॥मधुवासुद
वयानामथाय॥समुजया
देवनशसग॥द्विनिमि
य॥कनव॥वसिवला
वर्लंगनहलयाग॥डाहा
लककयि॥अजरासाने
॥देतककयि॥लसथेता
॥वठसि॥॥कनलका॥या
तका॥रुलदुर्वा॥तादिपु
थसिधुकाययागसिधुम
दससिधनतस्यग॥॥व
काकलनयादुर्भलदु
नायायगसने॥जवलाख
नकाखायकावत॥धका
खामघा॥ललपुलि॥वा

कृदा॥मकुसि॥यतका॥न
मारुमि॥॥॥रुलथक॥वा
लमस॥॥॥दधस॥क्रादु
यातनधकासुयाव॥थ
थन॥नका॥यका॥पिय
यु॥समुख॥वृयकनन॥
अकत॥सु॥रुस्वाने॥
धतथन॥धयाजवखव
समिजलत॥नयवका
नहिकाडा॥लयाइकोज
वस॥डाहायाइकोखव
स॥रुदावतय॥धजनल
खतलकीनामायजका
खायकाडावय॥क्रक
सिधुमनय॥नममस॥
कुमानी॥सुयादिरुलकि
नगय॥चन्दनादियुयय
हायवीतखलावत॥न
यसकायावर्थकादिनय
वदकसाय॥नममसु
पुलिगक॥वाक॥उंयडा
मसिधवधुनीमकानय
ननिमिथयमायदेवकः

यवादकवृद्धिप्रद॥ याव
 दकधनकाडा॥ यन्मय
 ॥ॐ अशादि॥ वाश्रुड॥ सु
 र्याधि॥ ॐ मस्त्रिभु॥ नीम
 कामयमानं श्रवकादिः
 कलनाश्चननिमित्तार्थ
 यरागर्त॥ यन्मय॥ ॐ
 मुखपुमनुलाकोलंति
 मकुंलुनमननी॥ यासा
 धीमयुजा॥ ॐ ॥
 ततः कलानुक्रमिकानथ
 त॥ यथयथविधिमकुंल
 कलनाश्चन॥ ॐ ॥ ॐ तः
 लायामि॥ ॐ तिद्यानाश्चन
 कानथत॥ २७॥ ॥ तताः
 विलयाश्चकलनयुजा॥
 कतन॥ ॐ धनाय२॥ ॐ य
 अतमनउतयनधियावि
 यावृहतावियजित॥ विहा
 गदधेययुनाविधेककून
 महिदयस्यमविदुः यनिमृति
 स्वाहा॥ ॐ धनायनम४॥ ॐ
 ॐ द विष्णु विवकमरुधाः

निदधेयद॥ समुद्रमस्यया
 ॐ म॥ १॥ ॐ मामा२॥ ॐ
 ॐ नावताधेनमतीहिरुत
 ॐ सूर्यवसिनीमधदलस्य४
 ॥ यस्कानादमीविष्णुवत
 दाधकृष्टिदीमरितामः
 सुखे४॥ ॥

॥२॥ ॐ अहो
२॥ उदय प्रणोदवस्था घाय
गया दीपतमध्वनकल्यनी। उ
द्युक्ततयगमा उद्युक्त। स्वर्ग
वर्मवदतद्वीदथमायमा
निष्ठादिष्टयजामा निदिष्टमगेन
मध्वविष्टविष्टिष्टा॥४॥ ॐ अनिला
य२॥ ॐ विष्णुर्कवीर्यविष्टा
व्यय॥ याधिवानिविममनजा॥ मि
याभूस्तगायदकन॥ मध्वस्तवि
चक्रमानम्। धान्नगयाविष्टव
त्वा॥५॥ ॐ अनिलाय२॥ ॐ दिवा
वाविष्टुतवायुविष्टानहावा
विष्टुतवावगनिष्ठा। उद्युक्तविष्ट
वसनायुद्युक्तयुक्तद। क। म। द।
तमयाविष्टवत्वा॥६॥ ॐ युक्त्या
यशायुगदिष्टुक्तवगवीर्यविष्ट
गमनगीम॥ कचनानिनिष्ठा॥ य
स्थानवगिष्टविकनस्यविष्टियनि
उद्युक्तानिनिष्ठा॥१॥ ॐ युक्त्या
२॥ ॐ विष्णुर्कनलाटमसि॥६॥ ॐ
यद्युक्तनगवर्त॥ ॥ म। ध्या॥ ॐ
वक्त। ॐ दमसर्त॥ ॐ ईमास
माय२॥ ध्यान॥ ॐ यीनयीनच

१ क मो न क ल ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

आव दक ॥

सग

कोमली

सुता

34

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ ॥

(अष्टम
स

1455

314

[illegible][illegible]

[illegible]

गुरुमित्रकन्येनाधर्ममाकार्यद
 युः। विष्णुश्चैकगुवासादनजुदने
 कनाददि। एवकुलराकोमादा
 गंखयद्राधनिकनतले४यशुत
 स्मेनमाशु॥ॐअशुक्तमावली॥ॐ
 विष्णुनाय॥ॐनित्यानन्द॥ॐन
 मस्ककयिलदवि॥ॐकोमात्रीम
 यूनानूठा॥ॐॐद्वदव॥ॐयथः
 दानं॥ॐअजमनिस्यवधूनीमका
 नयतनिमित्यर्थवक्ताश्चननिः
 मित्यर्थअपगंधादि॥॥तना
 धयदासाधनं॥कनगुिकमगुध
 स्त्रीमाधनंतिधायनियर्तनं॥
 केकाय॥ॐवागयखाहा॥यथ
 विधानेन॥ॐद्वद्वय४संधर्ध॥कि
 चिकंदलकियत॥लेखयेलइ
 इगुड॥वनूसर्तया॥कननवन
 यागहिन॥ॐॐप्रजायतनत्व
 ॥वनयागयजन॥ॐॐतमाय
 २००॥यादि॥कनगुिकमगुध
 गमाधायनादनंउविनायवमा
 ननं॥घृतादिघातनं॥ॐअग्नि
 गुरुस्वर्णमानायविन्दुखाहा
 ॥ॐविष्णुगुरुस्वर्णमानायविन्दु
 खाहा॥॥ॐकावगचनसर्त

गुरुमित्रकन्येनाधर्ममाकार्यद
 युः। विष्णुश्चैकगुवासादनजुदने
 कनाददि। एवकुलराकोमादा
 गंखयद्राधनिकनतले४यशुत
 स्मेनमाशु॥ॐअशुक्तमावली॥ॐ
 विष्णुनाय॥ॐनित्यानन्द॥ॐन
 मस्ककयिलदवि॥ॐकोमात्रीम
 यूनानूठा॥ॐॐद्वदव॥ॐयथः
 दानं॥ॐअजमनिस्यवधूनीमका
 नयतनिमित्यर्थवक्ताश्चननिः
 मित्यर्थअपगंधादि॥॥तना
 धयदासाधनं॥कनगुिकमगुध
 स्त्रीमाधनंतिधायनियर्तनं॥
 केकाय॥ॐवागयखाहा॥यथ
 विधानेन॥ॐद्वद्वय४संधर्ध॥कि
 चिकंदलकियत॥लेखयेलइ
 इगुड॥वनूसर्तया॥कननवन
 यागहिन॥ॐॐप्रजायतनत्व
 ॥वनयागयजन॥ॐॐतमाय
 २००॥यादि॥कनगुिकमगुध
 गमाधायनादनंउविनायवमा
 ननं॥घृतादिघातनं॥ॐअग्नि
 गुरुस्वर्णमानायविन्दुखाहा
 ॥ॐविष्णुगुरुस्वर्णमानायविन्दु
 खाहा॥॥ॐकावगचनसर्त

गुरुमित्रकन्येनाधर्ममाकार्यद
 युः। विष्णुश्चैकगुवासादनजुदने
 कनाददि। एवकुलराकोमादा
 गंखयद्राधनिकनतले४यशुत
 स्मेनमाशु॥ॐअशुक्तमावली॥ॐ
 विष्णुनाय॥ॐनित्यानन्द॥ॐन
 मस्ककयिलदवि॥ॐकोमात्रीम
 यूनानूठा॥ॐॐद्वदव॥ॐयथः
 दानं॥ॐअजमनिस्यवधूनीमका
 नयतनिमित्यर्थवक्ताश्चननिः
 मित्यर्थअपगंधादि॥॥तना
 धयदासाधनं॥कनगुिकमगुध
 स्त्रीमाधनंतिधायनियर्तनं॥
 केकाय॥ॐवागयखाहा॥यथ
 विधानेन॥ॐद्वद्वय४संधर्ध॥कि
 चिकंदलकियत॥लेखधेनइ
 इगुड॥अनूसर्तया॥कननवन
 यागहिन॥ॐॐप्रजायतनत्व
 ॥अनयागयजन॥ॐॐतमाय
 २००॥यादि॥कनगुिकमगुध
 गमाधायनादनंउविनायवमा
 ननं॥घृतादिघातनं॥ॐअग्नि
 गुरुस्वर्धमानायविन्दुखाहा
 ॥ॐविष्णुगुरुस्वर्धमानायविन्दु
 खाहा॥॥ॐकावगचनसर्त

ॐ यद्वकलनस्तान् ॥ स्नानया
 यधनकाव ॥ वधपुत्रवमुन
 नित्यक ॥ धकादिनीनलखध
 नाधस्यलासावयकूमिहास
 नमवसायकस्वमि कमतय
 ॥ धकादिनीन मगरुताठवा
 नमयाजानवधत्वाय ॥ ॐ स्व
 मितोमिमीता ॥ ॥ यनयव
 धमगोद्यायागदकनहाय ॥ ॐ
 स्वमिनब्दा ॥ धकादिनीनम
 र्ममलयायविनायतामि
 तीविया ॥ ॐ वसायविगु ॥ ॥
 यनयवद्विनेसिय ॥ १ मया
 भावमगत ॥ धनासीमकिती
 याय ॥ ॐ रुडव ॥ ४ मयजा ॥
 यजा ॥ १ ॥ ४ मवीवावीनेम
 थायथाय ॥ ४ विनयामि ॥ कण
 य ॥ २ ममतय ॥ ॐ यविगुक्तावेय
 ॥ दतकाकयितडाहाकक
 नमयाय ॥ ॐ मसुननि ॥ वसि
 वलानमथाय ॥ मसावाधना
 जवखवयासलिवनगुलिकि
 य ॥ लिवनमसायसय्याक
 तयविसगधिससाकथाय ॥
 ॐ कणवधनममदुर्लभम् ॥

या ३

ॐ मसुननि ॥ यमानीकानमान
 न ॥ ॐ ३ मथवा ॥ ५ ॥ मथवा ॥
 ५४ ॥ मथवा ॥ १०८ ॥ यागकान
 हिने ॥ ३३ ॥ ॐ नकाहन ॥ लमथ
 नागया ॥ ॐ दिन ॥ गक ॥ वलन
 गरुलनविद्या ॥ ३ माकथाय ॥
 ॐ मयुक्तानिषदनसुनथाव
 सनिकिया ॥ याकोम ॥ गवुक्ति
 नासथयसनवधयुनय ॥ व
 मिया ॥ ॐ मयमूहीवटावृकड
 हीवरुलिनीगवे ॥ ॥ सिंदूरल
 विया ॥ ॐ वसायविगु ॥ मयया
 गलखनहाय ॥ ॐ दवस्यवा ॥ ध
 कादिनीनमिधुमरुनखाय ॥ ॐ
 लीगुन ॥ यनयव ॥ मिधुवकादि
 यागनकाव ॥ धकादि ॥ धकादिनी
 यागथवग ॥ नधनकाडावध
 मिधुकाय ॥ स्वयालमिदमथ
 सालेयवयव ॥ ॐ मिदुनावाह
 नममदुर्लभम् ॥ ॐ स्वडाविष्ट
 दा ॥ ३ ॥ कयालगायदुलखा
 वानतया ॥ मिधुमविच ॥ ॐ लीगु
 न ॥ यननमचक ॥ ॐ यदयक
 ॥ मयुनधविनखवमतचक ॥

का

ॐ दधिका प्राणि ॥ गजान डालका ॥
 ॐ नीललालि रत्नवति कृतौ लोचनः
 किं र्थं जन नधरु अस्या जागय ॥ य
 तिव ध्ववध्वत ॥ गजान माया स
 मसा कथा का ॥ खान स विद्या ॥ ॐ
 या ॥ रु लनी ॥ अदतन कचका ॥ ॐ
 दीर्घाय स्वा ॥ वधूनि गत्वन साध
 थ ॥ विदिदाय ॥ ॐ रु स्वाहा ॥ घृ
 तन ॥ ॐ वक्र यज्ञार्त ॥ वधूत्वाय ॥
 ॐ स्व स्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ रु वाय ॥ य
 धूत्वाय ॥ वधूत्वाय ॥ वधूत्वाय ॥
 नीवा द ॥ ॐ यगवति दक्षिण
 ॐ तिनायुला ही मिवा स्त्री पुत्र्या
 भियगि कनायुता ॥ जाना ॥ नरुः
 मा मरुत्ये यजामता ॐ ति यजाम
 वयसूना तर्धरुत ॥ थरु यणीय
 यलूता तर्धरुति ॥ ॥ वीदिदाय ॥
 ॐ रु ॥ शुवस्व ॥ स्वाहा ॥ घृते नयति
 द्या ॥ ॐ मना दूषि ॥ वधूता यतहा
 ल ॥ ॥ र्थकादिनी नवलासा डाय
 ने करि नखसिक संयुधी रिमुख
 नतय ॥ यनयन वडिन धविन
 मालका आगीतय ॥ चनन मत
 व ॥ यनयन वडि डानक ॥ वधू

नचनय ययसका यक ॥ नक
 ॥ यनयन वडि वानय ॥ थरु
 ॥ थलका ययक लकी सहाय ॥
 यन ॥ नर्क येरु सधाने ॥ लासा
 मालका डाय ॥ ॥ यगवति
 सधायलया कमान कलनया
 गजा रुत विद्या ॥ ॐ य दक नय
 कमान कलन स्वाय यगुनेन ॥
 कमान कलन विमर्हनेयाय
 ॥ ॐ उदय गमस्व ॥ सूर्यना कि
 थय ॥ ॥ धन कमान वाक्ता
 वया कायकन कृय ॥ वास
 मखाहा माल ॥ दान सवाय
 का डाय वान ॥ विना खसिक
 सय विमारी मुखनतय ॥ ॥
 गत ॥ कमान यजु ॥ यनयन
 का दगतन ॥ ॐ कमान मू
 य ॐ दमा सन ॥ य ॥ ॥ वी
 वाक्ता यवाध रुसाध नक
 यनन सिधुन नक यज्ञायवी
 त यय साधु दन स्वमन वि
 मरुया वक्रविद्या ॥ धूयदीय
 अन्न संकल्य ॥ निनु वडा म
 ला ॥ गगर्धदि ॥ ॥ कलन

तजलपृथ्वी वायु ॥ उं नीम
 कानयनादलयुगकामनाथ
 कुमारकलनदानेदातय ॥ अ
 यै ॥ ददस्य ॥ कलनिलजल
 कुमारकलनडाहृतय ॥ वा
 अ ॥ उं बालाहकल्यति ॥ उं अ
 घादि ॥ उं यत्रिस्तानादिमयक
 सादभादकसयुत ॥ उर्ययद
 रुंकलनयुगजातामुमङ्गल ॥
 उं यथानाम्ना ॥ समक ॥ दे
 धा ॥ नीमकानयनयज्ञादि
 ॥ ॥ कृतं द्युगजातकामनाथ
 नीकुमारकलनदानेदुयमह
 र्मयदद ॥ ॥ अथमवाक्य
 न ॥ स्वस्ति ॥ उं कादात ॥ उं
 दकामति ॥ यटलुवा ॥ स
 माविय ॥ उं नरस्यद्रोउकं दु
 र्यमहर्मयगद ॥ ॥ खानक
 जाहावतय ॥ उं यसादकनभ
 दवयुगयोगादिवर्द्धनी ॥ लक्ष्मी
 सोराग्यसकानधनधान्ययव
 धन ॥ उं नमस्तु कुमारयस्क
 दायनकिधनि ॥ मयूनवत्र
 वाहायविभर्यामनमायुग ॥

कुमारार्चनविधौ सगुणध्यादि ॥
 ॥ अथवधन कुमारवाक्कणवा
 वयावयक्तुमिहामनसगतय ॥ क
 मानकलनदिहवनगतय ॥ ॥
 तालथचकयहन ॥ तानायन
 सनादधनमुनियदय ॥ नाजमु
 ति ॥ नाजसर्वधिनीगीगहाल ॥
 थयाआरुतविय ॥ उं नाजगम
 ॥ ॥ वीगथचक ॥ थयाआरु
 तविय ॥ ॥ उं यावकान ॥ वीगम
 लाय ॥ ॥ वनययक ॥ आरुग
 ॥ उं वय ॥ साम ॥ वसलाय ॥
 ॥ ॥ स्वययक ॥ उं यत्रिस्त
 ॥ ॥ मनजादिवर्णस्वत ॥ आरु
 ना ॥ उं विष्णुगधुक् ॥ ॥ उं सवि
 गस्यविगसत्रस्वावाचाल
 दानये ॥ ययुगुगिनिउगमवृ
 हस्यतिनावकणवेन ॥ नोज
 मानिनातजसामामनना ॥ वि
 युनादलम्यादवनयायसुगय
 सयामि ॥ ॥ वीनकथयाथा
 न ॥ वायन ॥ आरुग ॥ उं विष्णु
 नलाटा ॥ उं सनस्वतीयान्यागर्क
 मकनसयायलीसकृतविर
 लि ॥ अया ॥ नसनवन ॥ नानसा

नन्द० लिखे जनयं नयनाडा ॥
॥ यन्त्रयवयवमके ॥ वध
नठनक ॥ ॐ सामप्रवनाजा
नामाम्खीशुजाअविमकचक
मासीप्र० मुवदृश्यं नीमकद
वीमि यानदीयममनिताकम्या
नामपुक्राति ॥ ॥ नीममकदवीय
पुवतीरवयु ॥ ॥ आचार्यम
धवर्गजाशुक्राति ॥ ॐ वक्रगय
त ॥ यूर्ध्वनिष्ठ ॥ ॥ तत० म
खाक्राति ॥ दन्मयानि ॥ ॥ नि
कयोष्टिक ॥ वाक्रगयुजा ॥ ॥ य
वधारादि ॥ सामधिशाम
धियाय ॥ धधसामधममकत
धनिमाल ॥ ॐ ॥ वलियुजा ॥ न
वेद्यदर्शन ॥ धृतवृत्तिकाराम
॥ वलिरुनर्गद्विषाकानी ॥ क
नन्मदियानवाक्रगयान ॥ ॥
मणवद्युतयानन ॥ ॥ तत० म
यूर्ध्वक्राति ॥ वधुजवमधवक
जानकत ॥ यन्त्रयवयवम
यूर्ध्वजानकत ॥ अइवाल
नय ॥ ॐ दवागम ॥ ॐ माया
यम् ॥ मासीमायधन ॥ ॐ न

नूयान्मसि ॥ अजिनकाकाय ॥
वक्रायकृविसर्हनी ॥ वध
खवसगयावधोहितनवक्रा
कललनमगुलिधकी ॥ चदन
सिद्धनसगुणानीवोद ॥ ॐ व
लाकाखावधयानविय ॥
ॐ आकृष्ट ॥ वधमयुजावति
पतिष्ठा ॥ ॐ खाविखावलिवा
वावकलकृय ॥ अगतमाल
कासगयावसामधुकात ॥
कमानवाकृगयाशयनक ॥
कमानवासमसविद्यावध
कृय ॥ ॐ ॥
वाक्रगयाय ॥ शकतकनक
॥ सामधिविय ॥ यविनिर्क
विय ॥ वधमगुणधनिवय
नथियकाडा ॥ मथाजान ॥
धामथायकलकृययय ॥
धनसगिकृद्रुनिर्यनिकस
नक्रिधलीलक्ष्मीनायायन
युजायायमाल ॥ ॐ निमीम
कोनयन ॥ ॐ ॥
॥ अथमीयन्त्रयवयवक्रिधलक्ष्मी ॥

25

20

15

10

5

0

नाना यवयुजा विप्रिः ॥ ३ ॥ अथा
 दि ॥ असाधयणी मुनानयना
 दनयुगकामनाथलुक्काना
 यवयुजा निमित्तयथैकनृणी
 था योर्धय्यथ ॥ गुननमः
 खान ॥ आसाधयणी युजा ॥ त
 गोलासयुजा ॥ ॥ ॥ तताडा
 नावर्त ॥ ३ ॥ तत्वायामि ॥ २६ ॥
 तत्त्वगत ॥ ३ ॥ आधनालकय
 २ ॥ ३ ॥ अमनकाय २ ॥ ३ ॥ अंदाय
 २ ॥ ३ ॥ अंकि लाय २ ॥ ३ ॥ नालाय
 २ ॥ ३ ॥ यद्राय २ ॥ ३ ॥ यगाय २ ॥
 ३ ॥ कलवाय २ ॥ ३ ॥ कर्षिकाय २
 ॥ ३ ॥ कलवादिदादलमृकथ
 प्रियादिदादललकथ ॥ दमा
 मर्तय्यथ ॥ ३ ॥ गनृजमनोय २
 ॥ तत्त्वणी खयुय्यगृहीत्वा ॥
 ध्यान ॥ ३ ॥ पुष्टरुटिकर्षयुवा
 ननिचयायमीनकवर्कविष्म
 लादमयवाइधनंरुनि ॥ म
 चैवैयोनय धनदवीवृथः
 गथयन ॥ दवह्यीयुमर्णकाः
 मर्णलकृणतगडर्ण ॥ मर्व
 डीयमदानखैयकैववदाल
 यर्ण ॥ ददिगलुडुडैवन्दवा

काण्टि

कैरेवाध

मयेवायनलुव ॥ कलर्णदयर्ण
 नालयसकंल्लरुमर्कर्म ॥ यम
 धृष्टिसमोश्वागर्णखणदाक्रम
 यत ॥ अकहिरुगन्विष्मलाका
 नृगृहकानर्ण ॥ मृग्यइमोमव
 दात्मनासदवनमश्नुत ॥ ३ ॥ ल
 क्ष्मीनानाय ॥ यध्मनय्यथ ॥
 मूलनमहृणाइर्लि ॥ ३ ॥ नानाः
 गन्धसमोय्यथानिचन्दनाः
 कर्ण ॥ अगद्विषुयादय ॥ ममया
 दलाप्रियाइर्लि ॥ ३ ॥ ३ ॥ कः
 लवायणीसहिताय २ ॥ ३ ॥ नाः
 नायल्यवागीध्वनीसहिता
 य २ ॥ ३ ॥ माधवायकाकीसहि
 ताय २ ॥ ३ ॥ लविन्दायक्रियास
 हिताय २ ॥ ३ ॥ विष्मवल्गुसहि
 ताय २ ॥ ३ ॥ मधुसूदनायविरुति
 सहिताय २ ॥ ३ ॥ निचिकमाय ॥
 सहिताय २ ॥ ३ ॥ वामनायवीगिस
 हिताय २ ॥ ३ ॥ धीधनायवतिसहि
 ताय २ ॥ ३ ॥ इवीकलयमायस
 हिताय २ ॥ ३ ॥ यमनायधृतिम
 हिताय २ ॥ ३ ॥ दामादनायमहिमा
 सहिताय ॥ ॥ ॥ तिनाकिमहिताः
 दादलनायनाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

0 cmts. 5 10 15 20 25 30 35

ॐ यन्मातृमाय २ ॥ ॐ लक्ष्मी २ ॥
ॐ मादियादिवगहथा २ ॥ ॐ
लादिदललाकयालाय २ ॥ ॐ
अग्निनादिमहाविंशतिनक्षत्र
८ नमः ॥ ॐ विष्कलादिमहाविंश
तिनागन्या २ ॥ ॐ मयादिद्वादश
नालया २ ॥ ॐ युगियोगिंदुदि
यचदलतिथ्या २ ॥ ॐ गणयथ २
॥ ॐ गुन्या २ ॥ ॐ हृदयादि ॥
यादिय ॥ ॐ मावाहनादि ॥
चन्द्रनाका २ ॥ ॥ गतावदावृत्ती
ॐ यज्ञ ॥ ॐ दविष्णु ॥ ॐ नाव
तीधनुमतीहिरण्यमूर्त्यवसि
नीमनवदलस्यायस्कज्ञानाद
लीविष्णुवर्गदाधरुयुधिर्वीम
रिगामयुखे ॥ ॐ दवधुतोदवः
शाद्यावर्गयात्रीयतमध्वनकल
यनी ॥ ॐ यज्ञनयर्गमाजिह्वा
नर्गर्गमावदतीदवीदृष्ट
मायमीनिर्वादिष्टयुगांमामि
वीदिष्टमग्नमयध्विर्मयुधिः
शा ॥ ॐ विष्णुर्कवीश्यादियः
वार्चयः ॥ याध्वीनिधिममन
८ मि ॥ यासुक्तायद्रुन८म
ध्वं विचक्रमागमध्वन

याविष्णुवत्ता ॥ ॐ दिवावाविष्णु
उतवायुधियामहावाविष्णु
नानगानिष्ठावाडराहिरुमाय
गस्यययुक्तदकिणदागमः
याविष्णुवत्ता ॥ ॐ यगद्विष्णुसुव
गवीश्यामृत्तमनरोमः ८ कचः
नानिष्ठा ॥ यमायुगिष्ठाविक
८ यमिष्टियन्तिरुवनामि
विष्णु ॥ ॐ विष्णुनलाठ ॥ ॐ ग
द्विवासाविद्यनयायोग्यवा
गममिधमाविष्णु ॥ ८ यनर्म
यदी ॥ ॐ विष्णु ८ कर्माजियन्मि
यगावतानियन्म ॥ ८ न्यः
हृष्टीसखाविष्णु ८ यनर्मयदी ॥
ॐ गीजियदा ॥ ॐ नद्विष्णु ८ यनर्मय
द८ सदायन्मिस्त्रय ८ दिवी
वयद्रुनातर्ग ॥ ८ निष्ठादलना
नायसवद ॥ ॥ ॐ गीध्वन
॥ ॐ माविष्णुगययुक् ॥ ॐ मिन्न
रुसागममसागहृष्टमर्गु
मिहृष्टनोमिन्नोमिन्नोवि
मृष्टर्गवाडरुनो ८ ॥ ॐ हृष्टना
नृक्ष ८ ॐ यद्योदमेयमायु ८ नि
थनवान ८ ॐ मिन्नोमिन्नोमिन्नोवि
दथाकिष्टीध्वनोमिन्नोमिन्नोवि
मृन्नता ८ ॥ ॐ गीध्वनोमिन्नोमिन्नोवि

ननु त्वां विवृणोति नाना यत्किं बहु ह दथान
नृणां मेदथ यत्क्रियते यत्कुरुते कुरुते

न यत्किं कामजात्मा कुरुते सुगतिं तिसामगतं
हा सुयत्किं सिगन्तुमादिर्वग कुरुते नतः ॥२॥

अथ यीर्त्ता मनीषा क्षयिष्येति
क्षाम गमया ॥ वसुं सुनः सह
सोऽयनाजा विराजते गडवसा
निधने ॥ ॐ ववृण कुरुते ॥
यत्किं मेमस गिता लिय ॥ सगा
मायस माय लदधा नाय ॥
मासग ॥ ॐ ववृण कुरुते ॥
यत्किं लिय सगुते ॥ मयिदवदधा
लिय मरुमति मेत स्वाहा ॥ ॐ मरु
यत्किं कुरुते यत्किं धिया धन गमया
जनासक सिध्द हि नयस्को विर्ग
दधउत्तर निना मुखवसवा श्रीनि
॥ ॐ हि नयस्को वि ॥ सविता वि
वर्ष लि नरुद्या वायु धिवी अत
नीयसा ॥ मायामिमा विधन व
निसृष्ट मरु कुरुते न नरुमाय
मृत्मेनि ॥ ॐ हि नयस्को मरु
वसुनीधः ॥ सृष्टी कुरुते स्वाया
लव्रीह ॥ मयसधमुदसा जाय
धनाना तस्मादवधु निदधमृ
गम ॥ ॐ मनसः काम माकुरु
वाक्य मय मलीयः ॥ यन्ना ॥ नृ
यमल्लसाडा साडा सः ॥ लियम
महि स्वाहा ॥ ॐ सवस्वती या
न्या गुरु मरु नय्या यती सः

न विवृणोति नाना यत्किं बहु ह दथान
धाम्ना लिखेता नयना यनाजा ॥
ॐ समशय दया धिया मरुदकि ॥
यानवकसा ॥ मामया यः यमाः
श्रीभा मरु नववी नयद यतयद
विमदलि ॥ ॥ ॐ निध्या दिद्यादः
नय्यावद ॥ ॥ वहिद्या नयि
दि ॥ ॐ मरु मनीषा ॥ ॐ हि नयस्को
धु ॥ ॐ मय (धु) मि ॥ ॐ यय कुरु
॥ ॐ मरु ॥ ॐ गता नमिद ॥ ॐ गता
नीत्वा ॥ ॐ वृहस्यत ॥ ॐ मरु मरुदकि
॥ ॐ नमा मनीषा ॥ ॐ वाक्य गमः
वितन ॥ ॐ मरु मासा ॥ ॐ मरु नय
कति ॥ ॐ वृहस्यत ॥ ॐ मरु मरुदकि
कुरुते मरु स्वाहा ॥ ॐ या नय्या न
॥ ॐ मरु मरुदकि ॥ ॐ मरु मरुदकि
॥ ॐ वरु यज्ञान ॥ ॐ वरु विद्यु ॥ ॐ न
मरु नय्या ॥ ॐ विद्युत मरुदकि
॥ ॐ मरु मनीषा ॥ ॐ मरु नय्या ॥
ॐ समित ॥ ॐ लीयत ॥ ॐ मरु मरुदकि
मरु ॥ ॐ यय यय विद्या ॥ ॐ
विद्युत मरुदकि ॥ ॐ मरु मरुदकि
ॐ मरु मनीषा ॥ ॐ धूय ॥ ॐ धूय

कासुर्ध्याय ॥ वाक् ॥ उं यज
मानासकस्ययजतांतादनता
नासुखाय ॥ एकस्यसुखा
र्ध ॥ उं सुकृष्ण ॥ वायधमः
काअधयसुखान ॥ विविधथा
वदकाय ॥ उं मादयितामही
ययितामहीत्यःपिठयितामह
ययितामहस्यः दमासर्नय
द्वि ॥ धमिमागुपय ॥ वाक् ॥ गम
यालवानसा ॥ ॥ विष्टदवादि
दवागास्यः दमासर्न ॥ ॥
यादिसकलगाडि ॥ विष्ट
वयानामकविनेय ॥ उं मया
यश ॥ उं वसव ॥ ॥ दमास
नादि ॥ यगवामनयाल ॥ उं स्वका
यविष्टकमे ॥ दमासर्न ॥
यादि ॥ सुमायाग ॥ उं उगागाकमे
उकिष्ट ॥ यगवामनयाल ॥
पीयगीतयावाकवृद्धि ॥ यथ
गोधनक ॥ ॥ गगाविनेय ॥
वायन ॥ यिवालागयाजा
वद्युगादिवाकजागवध
यवन ॥ वायनकायल्लेख

नहाय ॥ उं उज्जुदसमास्थगध्री
जनासुधमसह ॥ यथात्रवापुनजनि
यथासमृद्धनजनि ॥ उवायदसामं
स्याभुसर्जनायुधमसह ॥ उं यमे
नयस्त्रिथामधुयस्यथानिहिन
धयी ॥ भुजमेदुगायस्यगनाग
समर्जगम ॥ स्वाहा ॥ ॥ पुनः ले
खनहायमनु ॥ उं भुवगुपुष्टि
लोवल ॥ सुर्नजलायतवेनवमा
॥ मनपीवनीकसिं ॥ भुवायग
मवजनायुययतां ॥ धनवालव
स्त्रानयाचक ॥ नाडीमदं स्यंजला
॥ ॥ घृतमधुसुवर्ण ॥ उवालाव
वालकनक ॥ वायनभुनामिका
रुक्म ॥ उं हः स्वयिदधामि ॥ उं उ
वस्वयिदधामि ॥ उं स्वस्वयिद
धामि ॥ उं हर्षुवस्वयिदधामि ॥ क
मानयानातिं सगव ॥ उवजससं
भव ॥ उयलयमनु ॥ उं भुनिना
युष्मानुवनस्यगी ॥ रिनायुष्मां
नस्वायुष्मायुष्मांकं ॥ उं
सामभायुष्मानुसउवधीति
नायुष्मां नस्वायुष्मायुष्मांकं